संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 63
पृष्ठ 8
गुरुवार
20 नवम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- खड़े रहकर करें आसान योगासन....

विचार- अधर में लटका हुआ है अमरीका ...

खेल- सचिन और कोहली भी ऐसे विकेट...

प्राकृतिक खेती पर पीएम मोदी का जोर: तमिलनाडु से गूंजा भारत को वैश्विक केंद्र बनाने का संकल्प

कोयंबटूर, एजेंसी। भारत के प्राकृतिक खेती का वैश्विक केंद्र बनने की राह पर अग्रसर होने का उल्लेख करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि पिछले 11 वर्षों में देश के कृषि क्षेत्र में व्यापक बदलाव आया है और कृषि निर्यात लगभग दोगुना हो गया है। लाभार्थियों को पीएम–किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त जारी करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि प्राकृतिक खेती उनके दिल के बहुत करीब है। पीएम–किसान सम्मान निधि के नौ करोड़ लाभार्थियों के बैंक खातों में 18,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की गई। पीएम मोदी ने कहा कि मैं तमिलनाडु के सभी किसानों को इस अद्भुत दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। मैं प्रदर्शनी देख रहा था। मुझे कई किसानों से बात करने का अवसर मिला। किसी ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग की है, पीएचडी की है और फिर खेती कर रहा है, कोई नासा छोड़कर खेती कर रहा है, वे कई युवाओं को तैयार कर रहे हैं और प्रशिक्षित कर रहे हैं। मैं इसे सार्वजनिक रूप से स्वीकार करता हूं, अगर मैं यहां इस कार्यक्रम में नहीं आया होता, तो मैं अपने जीवन में बहुत कुछ खो देता। आज यहां आकर, मैंने बहुत कुछ सीखा है। मैं तमिलनाडु के किसानों के साहस को सलाम करता हूं, मैं बदलाव को स्वीकार करने की उनकी ताकत को सलाम करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत की कृषि में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा कि भारत प्राकृतिक खेती का वैश्विक केंद्र बनने की राह पर है। हमारी जैव विविधता एक नया आकार ले रही है, देश के युवा कृषि को एक आधुनिक, व्यापक अवसर के रूप में देख रहे हैं। इससे देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। पिछले 11 वर्षों में देश के संपूर्ण कृषि क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन आया है। हमारा कृषि निर्यात लगभग दोगुना हो गया है। कृषि को आधुनिक बनाने के लिए, सरकार ने किसानों के समर्थन के सभी रास्ते खोल दिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश के युवा कृषि को एक आधुनिक, व्यापक अवसर के रूप में देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत प्राकृतिक खेती का वैश्विक केंद्र बनने की राह पर है। हमारी जैव विविधता एक नया आकार ले रही है, देश के युवा कृषि को एक आधुनिक, व्यापक अवसर के रूप में देख रहे हैं। इससे देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा, षपिछले 11 वर्षों में देश के संपूर्ण कृषि क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन आया है। हमारा कृषि निर्यात लगभग दोगुना हो गया है। कृषि को आधुनिक बनाने के लिए सरकार ने किसानों की सहायता के सभी रास्ते खोल दिए हैं।

सीएम योगी ने की मेरठ, कानपुर और मथुरा-वृंदावन की विकास कार्ययोजना की समीक्षा

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को मेरठ, कानपुर और मथुरा–वृंदावन के समग्र नगरीय विकास की कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए कहा कि इन नगरों का विकास केवल सड़कों और इमारतों के निर्माण तक सीमित न हो, बल्कि उनका स्वरूप ऐसा बने जिसमें स्थानीय पहचान, इतिहास, संस्कृति और आधुनिक सुविधाओं का संतुलन दिखे। उन्होंने निर्देश दिया कि योजनाएं चरणबद्ध ढंग से लागू हों, कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरे किए जाएं और नागरिकों को इसका प्रत्यक्ष लाभ दिखे। मुख्यमंत्री ने मेरठ में प्रस्तावित बिजली बम्बा बाईपास को लखनऊ ग्रीन कॉरिडोर की तर्ज पर पीपीपी मोड में विकसित करने की संभावना तलाशने के निर्देश दिए। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तीनों मंडलों के मंडलायुक्तों ने बारी–बारी से अपनी कार्ययोजना से अवगत कराया। बताया गया कि अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर और प्रयागराज की तर्ज पर अब मेरठ, कानपुर और मथुरा–वृंदावन के लिए भी समेकित विकास मॉडल अपनाया जा रहा है। जनप्रतिनिधियों से विमर्श और विभागों के बीच समन्वय के आधार पर इन शहरों में कुल 478 परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार की गई है। इनमें मेरठ में 111, कानपुर में 109 और मथुरा–वृंदावन में 258 परियोजनाओं का विकास प्रस्तावित है। इन परियोजनाओं को अल्पकालिक, मध्यमकालिक और दीर्घकालिक श्रेणी में विभाजित कर स्पष्ट समयसीमा तय की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं के लिए नवाचार, बेहतर प्रबंधन और वित्तीय संयोजन पर ध्यान दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल पर निजी क्षेत्र का सहयोग लेने और जहां संभव हो वहां पीपीपी मोड अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास का उद्देश्य ऐसा शहरी ढांचा तैयार करना है जो यातायात को सुगम बनाए, पैदल यात्रियों और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता दे, हरे–भरे शहरों की दिशा में आगे बढ़े और स्थानीय पहचान को मजबूत करे। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के लिए यदि अतिरिक्त बजट की आवश्यकता होगी तो उसे उपलब्ध कराया जाएगा।

राज्य सेवाओं में हड़ताल पर उत्तराखंड सरकार का कड़ा प्रहार, छह महीने के लिए लगाया प्रतिबंध

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड सरकार ने राज्य सेवाओं में छह महीने की अवधि के लिए हड़ताल पर रोक लगाने का निर्देश जारी किया है। कार्मिक सचिव शैलेश बगौली ने बुधवार को इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की। जनहित को ध्यान में रखते हुए, उत्तर प्रदेश आवश्यक सेवा अनुरक्षण अधिनियम, 1966 (उत्तराखंड राज्य में यथा लागू) की धारा 3(1) के अंतर्गत यह निर्णय लिया गया है। अधिसूचना में कहा गया आदेश जारी होने की तिथि से अगले छह माह तक राजकीय सेवाओं में किसी भी प्रकार की हड़ताल पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को देहरादून स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित 'सोशल मीडिया मंथन' कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री धामी ने प्रधानमंत्री मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने सोशल मीडिया को लोकतंत्र को मजबूत करने का एक माध्यम बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह दशक उत्तराखंड की प्रगति का होगा। उत्तराखंड देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा। सोशल मीडिया इन दिनों संचार का सबसे प्रभावशाली माध्यम है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में सत्ता संभालने के बाद सोशल मीडिया को शासन का हिस्सा बनाया। उन्होंने इसका इस्तेमाल संचार, पारदर्शिता और नागरिकों की भागीदारी के लिए किया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया को लोकतंत्र को मज़बूत करने का एक ज़रिया बनाया है। मुख्यमंत्री धामी ने देहरादून स्थित अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल का अचानक दौरा किया, जिससे अधिकारी अचंभित रह गए। इस अचानक निरीक्षण ने सभी का ध्यान आकर्षित किया क्योंकि मुख्यमंत्री व्यस्त परिवहन केंद्र की स्थिति का जायजा लेने के लिए परिसर में घूमे। अपने दौरे के दौरान, धामी ने टर्मिनल की साफ–सफाई, यात्री सुविधाओं और दैनिक कामकाज का जायजा लिया। बताया जा रहा है कि कई इलाकों में गंदगी और कूड़ा–कचरा देखकर वे नाराज हो गए। स्थिति को अस्वीकार्य बताते हुए, उन्होंने अधिकारियों को याद दिलाया कि ऐसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थानों को हमेशा साफ–सुथरा रखना चाहिए। धामी ने झाड़ू उठाई और परिसर के एक हिस्से की खुद सफाई की। निरीक्षण के बाद, मुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग और मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) को आईएसबीटी की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

हिंसा रुकनी चाहिए, जम्मू कश्मीर की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाए : उमर

श्रीनगर, एजेंसी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को दावा किया कि जम्मू–कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने से केंद्र शासित प्रदेश में रक्तपात बंद नहीं हुआ और सुरक्षा के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। अब्दुल्ला ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में संवाददाताओं से कहा, "हम चाहते हैं कि यह (हिंसा का दौर) रुके। जम्मू–कश्मीर, खासकर कश्मीर, पिछले 30 से 35 साल में बहुत रक्तपात देख चुका है। हमें बताया गया था कि अब ऐसा नहीं होगा और 2019 के बाद यह दौर खत्म हो जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।" केंद्र सरकार ने पांच अगस्त 2019 को संविधान के अनुच्छेद 370 के कुछ प्रावधानों को निरस्त कर दिया था, जो जम्मू–कश्मीर को विशेष दर्जा देता था। साथ ही, तत्कालीन जम्मू–कश्मीर राज्य को भी विभाजित कर दिया गया तथा दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू–कश्मीर और लद्दाख में तब्दील कर दिया गया।

बिहार में फिर नीतीश सरकार, एनडीए विधायक दल की बैठक में चुने गए नेता

आज गांधी मैदान में शपथ समारोह

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव में बंपर जीत के बाद आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को एक बार फिर से विधायक दल की बैठक में नेता चुन लिया गया। इसका मतलब साफ है कि वह 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे हैं। गांधी मैदान में 20 तारीख को वह मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। उनके साथ उपमुख्यमंत्री के तौर पर सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा भी एक बार शपथ लेते हुए दिखाई देंगे। इसके अलावा गठबंधन में शामिल अन्य दलों की ओर से मंत्रियों का भी शपथ ग्रहण होगा। शपथ ग्रहण भव्य तरीके से किया जाएगा। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कई केंद्रीय मंत्री के अलावा भाजपा और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे। इससे पहले बुधवार को पटना स्थित अपने आवास पर हुई जनता दल (यूनाइटेड) विधायक दल की बैठक में नीतीश कुमार को सर्वसम्मति से अपना नेता चुन लिया गया। बैठक के बाद जदयू सांसद संजय झा और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ने नीतीश कुमार को बधाई दी। भारतीय जनता पार्टी के नेता सम्राट चौधरी को बिहार में भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया, जबकि विजय सिन्हा उपनेता चुने गए। एनडीए ने 2025 के बिहार चुनावों में ऐतिहासिक प्रचंड जीत दर्ज की, जिसमें 243 में से 202 सीटें जीतीं, जबकि महागठबंधन केवल 35 सीटें ही हासिल कर सका। इस गठबंधन ने 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में तीन–चौथाई बहुमत हासिल किया, जो दूसरी बार है जब एनडीए ने राज्य चुनावों में 200 सीटों का आंकड़ा पार किया। 2010 में, इसने 206 सीटें जीती थीं। एनडीए में, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 89 सीटें, जनता दल (यूनाइटेड) ने 85, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) (एलजेपीआरवी) ने 19, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) (एचएएमएस) ने पांच और राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने चार सीटें जीतीं। विपक्षी दलों में, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने 25 सीटें, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने छह, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी–लेनिनवादी) (लिबरेशन) ख्सीपीआई (एमएल) (एल), ने दो, भारतीय समावेशी पार्टी (आईआईपी) ने एक और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ख्सीपीआई (एम), ने एक सीट जीती।

मुजफ्फरपुर में छह करोड़ रुपए की हेरोइन जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर जिले में मंगलवार को एक महिला समेत दो व्यक्तियों के पास से करीब छह करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन बरामद की गई है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। दोनों आरोपी पश्चिम चंपारण जिले के निवासी हैं और उन्हें मुजफ्फरपुर के बरिया बस स्टैंड के पास पकड़ा गया। दोनों की गिरफ्तारी बिहार विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और अहियापुर पुलिस के संयुक्त अभियान में हुई। पत्रकारों से बातचीत में सिटी एसपी (पश्चिम) किरण कुमार ने कहा, "मुजफ्फरपुर पुलिस को सोमवार को बिहार एसटीएफ से सूचना मिली थी कि कुछ तस्करमादक पदार्थों की खेप लेकर बरिया बस स्टैंड क्षेत्र से गुजरने वाले हैं।" कुमार ने बताया कि पकड़े गए दोनों आरोपी इम्फाल से एक किलोग्राम हेरोइन लेकर आ रहे थे और इसे उत्तर प्रदेश पहुंचाने की योजना थी। पुलिस टीम ने बस स्टैंड के पास घेराबंदी कर दोनों संदिग्धों को दबोच लिया। पुलिस के अनुसार, जब्त बैग में 1016 ग्राम हेरोइन वाला एक पैकेट मिला।

ममता का आरोप : बीएलओ की मौत का कारण एसआईआर का 'असहनीय दबाव'

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बूथ लेवल ऑफिसर शांति मुनि एक्का की मौत पर गहरा दुख और शोक व्यक्त किया, जिन्होंने मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य के असहनीय दबाव के कारण आत्महत्या कर ली। ममता बनर्जी ने दावा किया कि एसआईआर शुरू होने के बाद से यह 28वीं ऐसी घटना है, जिसमें कई लोग भय, अनिश्चितता, तनाव और कार्यभार के कारण अपनी जान दे चुके हैं। बेहद सदमे और दुःख में हूँ। आज फिर, हमने जलपाईगुड़ी के माल में एक बूथ लेवल ऑफिसर – श्रीमती शांति मुनि एक्का, एक आदिवासी महिला, एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को खो दिया, जिन्होंने चल रहे एसआईआर कार्य के असहनीय दबाव में अपनी जान ले ली। एसआईआर होने के बाद से 28 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं – कुछ डर और अनिश्चितता के कारण, अन्य तनाव और कार्यभार के कारण। तथाकथित भारतीय चुनाव आयोग द्वारा लगाए गए अनियोजित, अथक कार्यभार के कारण ऐसी अनमोल जानें जा रही हैं। एक प्रक्रिया जो पहले 3 साल में पूरी होती थी, अब राजनीतिक आकाओं को खुश करने के लिए चुनाव से ठीक पहले 2 महीनों में पूरी की जा रही है, जिससे बीएलओ पर अमानवीय दबाव पड़ रहा है। मैं ईसीआई से आग्रह करता हूँ कि वह विवेक से काम ले और और जानें जाने से पहले इस अनियोजित अभियान को तुरंत रोके। इससे पहले कांग्रेस सांसद जेबी माथेर ने भी केरल के कन्नूर में एक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की कथित आत्महत्या पर दुख और हैरानी व्यक्त की थी। उन्होंने दावा किया था कि यह घटना मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण कार्य में बीएलओ पर पड़ रहे भारी दबाव के कारण हुई है। माथेर ने एएनआई से कहा, ष्यह बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है कि चुनाव प्रणाली और चुनाव आयोग बीएलओ पर पड़ रहे दबाव को नहीं समझते। यह सिर्फ एक मामला नहीं है... हम एसआईआर को इतनी जल्दबाजी में किए जाने के खिलाफ़ हैं। यह एक उदाहरण है कि कैसे एक व्यवस्था किसी व्यक्ति की जान ले सकती है। यह वास्तव में व्यवस्था द्वारा की गई हत्या है।

जीवनसाथी को बार-बार आत्महत्या की धमकी देना क्रूरता : बंबई उच्च न्यायालय

मुंबई, एजेंसी। बंबई उच्च न्यायालय ने एक व्यक्ति को तलाक देते हुए कहा कि जीवनसाथी द्वारा बार–बार आत्महत्या करने की धमकी देना क्रूरता के समान है। मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और

न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ ने पिछले सप्ताह पारित अपने आदेश में कहा कि जब ऐसा आचरण दोहराया जाता है, तो पति या पत्नी के लिए वैवाहिक संबंध जारी रखना असंभव हो जाता है। इस फैसले की प्रति बुधवार को उपलब्ध कराई गई। यह आदेश उस व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर पारित किया गया, जिसने पारिवारिक अदालत के 2019 के आदेश को चुनौती दी थी। पारिवारिक अदालत ने व्यक्ति की तलाक की अर्जी खारिज कर दी थी। याचिका के मुताबिक व्यक्ति की शादी 2006 में हुई थी, लेकिन वैवाहिक विवाद के कारण वह 2012 सेपत्नी से अलग रह रहा था। व्यक्ति ने दावा किया कि अलगाव और संदेह के साथ–साथ धमकी और आत्महत्या का प्रयास करना हिंदू विवाह अधिनियम के तहत तलाक देने के आधार हो सकता है। पीठ ने आदेश में कहा कि पति–पत्नी एक दशक से अधिक समय से अलग–अलग रह रहे हैं और उनके बीच न तो कोई सौहार्द्रपूर्ण समझौता हो पाया है और न ही मेल–मिलाप संभव हो पाया है।

चुनाव आयोग की छवि खराब कर रहे राहुल गांधी, जजों-ब्यूरोक्रेट्स समेत 272 हस्तियों ने लिखा ओपन लेटर

नई दिल्ली, एजेंसी। लगभग 300 सेवानिवृत्त न्यायाधीशों, नौकरशाहों, पूर्व सैन्य अधिकारियों और राजनयिकों के एक समूह ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पर विपक्षी दल के 'वोट चोरी' अभियान के तहत चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने का आरोप लगाया है। समूह ने एक खुला पत्र जारी कर कहा है कि ये आरोप संस्थागत संकट की आड़ में राजनीतिक हताशा को छिपाने का प्रयास हैं। इस पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले 272 लोगों में 16 सेवानिवृत्त न्यायाधीश, 123 पूर्व नौकरशाह (जिनमें 14 राजदूत भी शामिल हैं) और 133 सेवानिवृत्त सशस्त्र बल अधिकारी शामिल हैं। इन 272 हस्ताक्षरकर्ताओं में जम्मू–कश्मीर के पूर्व डीजीपी एसपी वैद, पूर्व रॉ प्रमुख संजीव त्रिपाठी, पूर्व आईएफएस लक्ष्मी पुरी और अन्य प्रमुख लोग शामिल हैं। यह घटनाक्रम राहुल गांधी द्वारा एसआईआर प्रक्रिया और चुनाव आयोग की लगातार आलोचना और उन पर ष्वोट चोरीष को बढ़ावा देने का आरोप लगाने के बीच हुआ है। कांग्रेस ने कहा है कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान चुनाव आयोग का आचरण बेहद निराशाजनक रहा है और मांग की है कि चुनाव आयोग तुरंत यह साबित करे कि वह भाजपा के प्रभाव में काम नहीं कर रहा है। राष्ट्रीय संवैधानिक प्राधिकारियों पर हमलाष्शीर्षक वाले पत्र में हस्ताक्षरकर्ताओं ने कहा कि हम, नागरिक समाज के वरिष्ठ नागरिक, इस बात पर अपनी गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं कि भारत के लोकतंत्र पर बल प्रयोग से नहीं, बल्कि इसकी आधारभूत संस्थाओं के विरुद्ध ज़हरीली बयानबाज़ी की बढ़ती लहर से हमला हो रहा है। कुछ राजनीतिक नेता, वास्तविक नीतिगत विकल्प प्रस्तुत करने के बजाय, अपनी नाटकीय राजनीतिक रणनीति के तहत भड़काऊ लेकिन निराधार आरोपों का सहारा लेते हैं।

प्रयागराज में 42किमी की मैराथन में धावक बेहोश

दौड़ते-दौड़ते गिरा, महिलाओं में रेणुका और पुरुषों में प्रदीप नंबर-1

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में आज 40वीं अखिल भारतीय इंदिरा मैराथन हुई। महिला और पुरुष धावक पूरे जोश के साथ दौड़े। बुधवार सुबह हल्की-हल्की ठंड के बीच 6.30 बजे मैराथन की शुरुआत हुई। धावकों को देखने के लिए लोगों की

अच्छी भीड़ सड़कों पर दिखाई दी। उन्होंने फूल बरसाकर धावकों का स्वागत किया। मैराथन में उस वक्त अफरातफरी मच गई, जब फिनिशिंग प्वाइंट पर पहुंचने से पहले ही विब नंबर 142 का धावक बेहोश हो गया। मेडिकल की टीम इलाज में जुट गईं। आसपास काफी भीड़ लग गई। धावक की सेहत मैराथन में चर्चा का विषय बन गई। इस बीच महिलाओं में हरियाणा की रेणुका (विब नंबर 753) पहले नंबर पर आईं। महाराष्ट्र की अश्विनी मदन जाधव (विब नंबर 750) दूसरे और 6 बार की चौंपियन महाराष्ट्र की ही ज्योति शंकरराव गवते (विब नंबर 752) तीसरे स्थान पर रहीं। रेणुका पिछले साल 2024 में दूसरे नंबर पर रहीं थीं। वहीं, पुरुष वर्ग में प्रदीप कुमार चौहान चौंपियन बने। उन्होंने मैराथन काफी देर तक लीड कर रहे प्रयागराज के रोहित सरोज को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया। जबकि दूसरे नंबर पर विब नंबर 165 के ज्ञान बाबू और विब नंबर 344 के रोहित सरोज तीसरे नंबर पर रहे। दौड़ में 42.195 किलोमीटर का सफर तय किया गया। इसमें 509 से ज्यादा धावकों ने हिस्सा लिया। करीब 50 प्वाइंट से ध ावकों पर निगरानी रखी गई। मैराथन दौड़ में प्रथम पुरस्कार 2 लाख रुपए, द्वितीय पुरस्कार एक लाख रुपए और तृतीय पुरस्कार 75 हजार रुपए है। इसके अलावा 11 प्रतिभागियों को 10-10 हजार रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा।

प्रयागराज में अतिक्रमण हटाने गई टीम पर पथराव

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के बहरिया क्षेत्र स्थित करनाईपुर बाजार में सोमवार को अतिक्रमण हटाने गई राजस्व टीम पर पथराव और आगजनी की घटना हुई थी। इस हमले में नायब तहसीलदार राजीव शुक्ला गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें शहर

के एक नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने इस मामले में बुधवार को एक दर्जन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, जुगनीडीह निवासी मोहम्मद जुबेर ने करनाईपुर में शंकरलाल बिंद से पट्टे की जमीन खरीदी थी। अतिक्रमण हटाने के लिए उन्होंने एसडीएम फूलपुर के न्यायालय में वाद दायर किया था। न्यायालय के आदेश पर राजस्व टीम, नायब तहसीलदार और पुलिस बल सोमवार को मौके पर पहुंचा था। टीम के पहुंचते ही कुछ लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते स्थिति बेकाबू हो गई और भीड़ ने पथराव शुरू कर दिया, जिसमें नायब तहसीलदार घायल हो गए। इसी दौरान विवादित भूमि पर बने छप्परों में किसी ने आग भी लगा दी। घटना की सूचना पर एसीपी फूलपुर विवेक यादव भी मौके पर पहुंचे और स्थिति नियंत्रित की। राजस्व निरीक्षक राजेंद्र प्रसाद यादव की तहरीर पर राजेंद्र प्रसाद, संतोष कुमार, अमन कुमार, लालजी यादव, बनवारी लाल, राम अभिलाष, राजाराम, रामसरन, रामधन, लाल बहादुर, श्यामलाल, राजू विश्वकर्मा, गिरजा शंकर सहित तीन दर्जन से अधिक अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने रात में कई स्थानों पर दबिश देकर 12 संदिग्धों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ जारी है। घटना स्थल के वीडियो फुटेज के आधार पर अन्य उपद्रवियों की पहचान की जा रही है। पुलिस का कहना है कि सभी आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं0: पीआरवाईजे-सिग-027-2025-26 दिनांक: 17.11.2025

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता/ समन्वय/ उत्तर मध्य रेलवे/ प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 15.12.2025 को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

क्र.सं.	निविदा नं.	कार्य का विवरण
1क	पीआरवाईजे-सिग-027-2025-26	नैनी, छिवकी, हमौरा, शंकरगढ़, टूण्डला, फिरोजाबाद, मानिकपुर, झींझक, फफूंद और इटावा स्टेशनों के आईपीआईएस मदो (मैसर्स एवीडीएस मेक) का पाँच वर्षों के लिए समग्रह वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध।
	अनुमानित मूल्य (₹): 56,58,257/-	बिड सिक्योरिटी (₹): 1,13,200/-
	निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹): 0/-	कार्य समापन की अवधि: 60 माह
	निविदा बन्द होने की तिथि: 15.12.2025	
2	निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता	निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि से 21 दिन पहले उपलब्ध हो जायेंगे।
3	निविदा खुलने का समय, तिथि तथा स्थान	निविदा पूर्व निर्धारित तिथि को 12:30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी। 2198/25 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

प्रयागराज में नर्सिंग कॉलेज के छात्रों का हंगामा

स्टूडेंट्स बोले- हमारे साथ धोखा हुआ, बिना मान्यता के लिया एडमिशन

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के घूरपुर में करमा नरसिंह पैरामेडिकल सेंटर के नर्सिंग छात्रों ने बुधवार को जमकर हंगामा किया। वे कैम्पस में धरने पर बैठ गए। कालेज प्रशासन के खिलाफ नारे लगाए। छात्र अभी भी मौके पर जमा हैं। उनका कहना है कि कालेज नेशनल काउंसिल ऑफ इंडिया (आईएनसी) से मान्यता प्राप्त नहीं है।

कालेज प्रशासन ने ये बात छात्रों से छिपाई हैं। उनके साथ धोखा हुआ है। उन्होंने बिना मान्यता के उनका एडमिशन लिया है। उनका भविष्य खतरे में हैं। या तो उन्हें किसी दूसरे कॉलेज में ट्रांसफर किया जाए या फिर उनकी फीस वापस कराई जाए। जब तक उनकी मांग पूरी नहीं की जाएगी। वे धरने से नहीं उठेंगे।

बीएससी नर्सिंग की छात्राओं का कहना है कि चार बैच में कॉलेज चलता है। जिसमें करीब 200 स्टूडेंट्स का एडमिशन हुआ है। प्रत्येक छात्राओं एक सेमेस्टर का 1 लाख 20 हजार रुपए फीस के नाम पर लिया गया है। उन्होंने बड़े ही मुश्किल से कोर्स की फीस जमा की है। अब आखिरी सेमेस्टर के दौरान पता चला है कि कालेज की इंडियन नेशनल काउंसिल से मान्यता नहीं है। विरोध करने पर उन्हें धमकी दी जा रही है। ऐसे में वे अब कहां जाएंगे। उन्होंने कालेज पर फर्जी तरीके से एडमिशन लेने का आरोप लगाया है।

छात्रों ने बताया- अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी लखनऊ से काउंसलिंग के बाद यहां पर उन्होंने एडमिशन लिया है। कालेज में बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा है कि ये कालेज आईएनसी से अप्रूवड है। जबकि असलियत में ऐसा नहीं है। कालेज की केवल स्टेट लेवल की मान्यता है नेशनल लेवल की नहीं है।घघघघघघ स्टेट की डिग्री से उन्हें कोई लाभ मिलने वाला नहीं है।

वहीं डायरेक्टर एम आई खान का कहना है कि यूपी स्टेट मेडिकल फैकल्टी लखनऊ से अप्रूव कराया गया है। अगर छात्रों की मांग है तो इंडियन नेशनल काउंसिल से भी अप्रूव कराया जायेगा। जिसके लिए समय दिया जाए।

एटीएस खंगाल रही मदरसों की कुंडली, विदेशी कनेक्शन

प्रयागराज समेत कई जिलों में जांच, डाटा तैयार कर रही, विदेशी फंडिंग के रिकॉर्ड खंगाले

प्रयागराज (संवाददाता)। दिल्ली में हुए बम ब्लास्ट के बाद देश की सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। इसकी आंच यूपी के कई जिलों में भी पहुंची है। एंटी टेररिस्ट स्क्वायड (ATS) ने प्रयागराज के मदरसों की कुंडली खंगालनी शुरू कर दी है। मदरसों के रिकॉर्ड के साथ ही वहां पढ़ने वाले छात्रों, मौलवियों और टीचरों का रिकॉर्ड भी जुटाया जा रहा है।

प्रयागराज के अलावा कौशांबी, प्रतापगढ़, फतेहपुर, बांदा, हमीरपुर, चित्रकूट, महोबा समेत जिलों के मदरसों के रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। इसके लिए एंटी टेररिस्ट स्क्वायड के हेड क्वार्टर से बाकायदा अधिकृत लेटर जारी किया गया है। यह पत्र अन्य सुरक्षा एजेंसियों के अलावा आला पुलिस अफसरों को भेजा गया है ताकि मदरसों और मौलवियों, छात्रों की जानकारी में मदद हो सके।

इसका पूरा डॉटा कलेक्टशन एटीएस कर रही है। इसके बाद जांच का दायरा आगे बढ़ेगा। छात्र कहां के रहने वाले हैं। मदरसों के हॉस्टलों में रहने वालों की संख्या, किन किन जिलों से आते हैं। टीचर कहां के हैं। मौलवियों की गतिविधियां क्या हैं।

खासकर यह देखा जा रहा है कि छात्र, मौलवी, प्रबंधक, उस्ताद (टीचर) विदेश यात्रा पर तो नहीं गए। यदि कोई गया तो कब गया, कब लौटा, किस काम से गया। उसके सगे संबंधी कब से विदेश में रह रहे हैं। एटीएस की यह जांच युद्ध स्तर पर गोपनीय शुरू हुई है।

प्रयागराज में आतंकी गतिविधियों को लेकर सुरक्षा एजेंसियां पहले भी जांच कर चुकी हैं। वाराणसी के संकट मोचन मंदिर में हुए कुकर बम ब्लास्ट का मास्टर माइंड वली उल्ला प्रयागराज का ही रहने वाला है।

फूलपुर के रहने वाले वली उल्ला ने सीरियल धमाकों की साजिश रची थी।

वली उल्ला का भाई करेली में मदरसा चलाता था। सुरक्षा एजेंसियों ने मदरसे में लंबी पूछताछ की थी। इसके अलावा फूलपुर में आतंकियों को पनाह देने का मामला सामने आया था। यहां से निकले आतंकी लखनऊ में पकड़े गए थे।

हाल में ही अतरसुइया के एक मदरसे में जाली करेंसी छापने का भंडाफोड़ हुआ था। इसमें प्रबंधक, टीचर समेत तीन लोग पकड़े गए थे। महाकुंभ में 5 करोड़ रुपये खपाने की तैयारी थी। मदरसे में छापेमारी के दौरान सौ सौ की जाली करेंसी, छापने की मशीनें आदि बरामद हुई थीं। इसके बाद मदरसे को सील कर दिया गया था।

मिर्जापुर हाईवे पर सैकड़ों गाड़ियां, हजारों लोग जाम में फंसे

इंदिरा मैराथन के दौरान बदइंतजामी, नैनी से कीडगंज तक दो किमी तक जाम

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में इंदिरा मैराथन के दौरान ट्रैफिक की बदइंतजामी सोमवार सुबह आम लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गई। डायवर्जन और ट्रैफिक प्लानिंग में हुई लापरवाही से प्रयागराज-मिर्जापुर हाईवे पर व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई। यहां सैकड़ों वाहन और हजारों लोग घंटों तक जाम में फंसे रहे।

इंदिरा मैराथन के चलते पुलिस ने नैनी से शहर की ओर आने वाले रूट पर वाहनों के आवागमन को प्रतिबंधित किया था। योजना के अनुसार शहर से नैनी जाने वाले मार्ग से ही वाहन छोड़े जा रहे थे। थोड़ी देर तक तो सबकुछ सामान्य रहा लेकिन जब एथलीट्स बड़ी संख्या में लेप्रोसी चौराहा पार करने लगे तो मिर्जापुर मार्ग से शहर की ओर आने वाला ट्रैफिक रोक दिया गया।

ऑफिस व स्कूल की टाइमिंग होने के कारण यहां कुछ ही देर में नैनी जेल तक वाहनों की कतार लग गई। नैनी जेल तक वाहनों की कतार लगाने पर बड़ी संख्या में नैनी की ओर से आने वाले वाहनसवार रांग साइड से शहर से नैनी

जाने वाली लेन से होकर नए पुल की ओर बढ़ने लगे। इससे यह हुआ कि लेप्रोसी चौराहे से पहले ही वाहन आमने-सामने हो गए और ट्रैफिक ब्लॉक हो गया।

इसके चलते कुछ ही देर में नए यमुना पुल पर रेलवे क्रॉसिंग तक सैकड़ों वाहन की कतार लग गई। इसमें हजारों लोग वाहनों में घंटों फंसे रहे। बाद में एथलीट्स के लौटने के बाद धीरे-धीरे यातायात बहाल कराया गया।

सुबह की भीड़ में सबसे अधिक परेशानी कॉलेज और कोचिंग जाने वाले छात्र-छात्राओं, ऑफिस जाने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों को झेलनी पड़ी। कई छात्र अपनी कक्षाओं के लिए देर से पहुंचे, वहीं दफ्तरों में भी कर्मचारियों की देरी से उपस्थिति दर्ज हुई।

सबसे खराब स्थिति नए यमुना पुल के पास देखने को मिली, जहां सैकड़ों वाहन एक ही दिशा में फंस गए। हाईवे पर दो किलोमीटर लंबी कतार लग गई। लोग गर्मी और धूप में घंटों फंसे रहे। कई यात्रियों ने शिकायत की कि मैराथन मार्ग तय करते समय प्रशासन ने वैकल्पिक रूट की सही व्यवस्था नहीं की।

जाम में फंसे लोगों ने कहा कि हर साल मैराथन के दौरान शहर में ट्रैफिक व्यवस्था बिगड़ती है, लेकिन इस बार हालात और भी खराब रहे। सोशल मीडिया पर भी लोग प्रशासन की लचर तैयारियों को लेकर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं।

एसीपी ट्रैफिक शैलेंद्र सिंह का कहना है कि डायवर्जन लागू किया गया था लेकिन ट्रैफिक ज्यादा होने की वजह से चुनौती फेस करनी पड़ी। अतिरिक्त फोर्स तैनात कर यातायात बहाल कराया गया। वहीं प्रशासन का दावा है कि मैराथन को लेकर पर्याप्त व्यवस्था की गई थी।

नर्स से दुष्कर्म करने वाले 4 आरोपियों पर लगेगा गैंगस्टर

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में 16 अगस्त को कर्जन ब्रिज के नीचे एक नर्स से दुष्कर्म, मारपीट और धमकी देने के मामले में गिरफ्तार चारों आरोपितों पर अब गैंगस्टर एक्ट लगाया जाएगा। फाफामऊ पुलिस ने आरोपितों के आपराधिक रिकॉर्ड और घटना की गंभीरता को देखते हुए यह कार्रवाई शुरू की है। गैंगस्टर एक्ट लगने से आरोपितों पर कानूनी शिकंजा और कस जाएगा। पीड़िता फाफामऊ क्षेत्र के एक निजी अस्पताल में नर्स के तौर पर कार्यरत थी। 16 अगस्त की रात करीब 8रू30 बजे वह अपने ब्वायफ्रेंड के साथ शहर जा रही थी। कर्जन ब्रिज पर स्कूटी रोकने के बाद जब ब्वायफ्रेंड टायलेट के लिए गया, तभी दो युवक वहां पहुंचे और नर्स को जबरन नीचे की ओर घसीटने लगे। विरोध करने पर आरोपितों ने उसके ब्वायफ्रेंड को पीटा और भगा दिया।

आरोपितों ने नर्स को कर्जन ब्रिज के नीचे ले जाकर दुष्कर्म किया और उसके साथ मारपीट भी की। इसी दौरान उनके दो अन्य साथी भी मौके पर आ गए। पीड़िता को धमकाकर वे उसे बाइक पर बैठाकर ले गए। शांतिपुरम चौराहे से पहले वीबीएस स्कूल के पास एक युवक बाइक से उतर गया, जबकि दूसरा आरोपित नर्स को एक निजी अस्पताल के पास छोड़कर फरार हो गया।

घटना के बाद फाफामऊ पुलिस ने दुष्कर्म, मारपीट और अन्य गंभीर धाराओं में चार अज्ञात आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। पुलिस जांच के दौरान हिमांशु सरोज (निवासी बजहा, थाना नवाबगंज) और उसके एक साथी को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद 25 हजार रुपये के इनामी मुख्य आरोपित बरसाती (निवासी गदियानी, सोरांव) को मुठभेड़ में पकड़ा गया। चौथा आरोपित सुजीत भारतीय ने अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया था। वर्तमान में चारों आरोपित नैनी जेल में बंद हैं।

प्रयागराज में बार डांसरों को नचाने वाले 3 गिरफ्तार

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में सोरांव महोत्सव के दौरान एक किलोमीटर दूर बार डांसरों का अश्लील डांस खासा विवाद खड़ा कर गया। सोनी थ्रियेटर के आयोजनकर्ताओं ने खेत में पंडाल लगाकर 15 बार डांसरों को बुलाकर डांस शुरू कर दिया था। डांसरों के वीडियो सामने आने के बाद हंगामा मचा। इसके बाद पुलिस ने छापेमारी कर डांस स्टेच उखड़वा दिया। बार डांसरों को दिल्ली समेत अन्य शहरों में भिजवा दिया गया। पुलिस की जांच से साफ हुआ कि आयोजन सोनी थ्रियेटर की आयोजक सुमन पत्नी अखिलेश निवासी मिर्गापुर पोस्ट गौरा जनपद शाहजहांपुर, सह आयोजक आनन्द कुमार पुत्र रामअवतार और उनका साथी अभिषेक पुत्र कप्तान ने आर्केस्ट्रा नौटंकी के नाम पर अश्लील डांस शुरू कराया गया था। सोरांव पुलिस ने तीनों के खिलाफ नामजद केस दर्ज करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही पूरे मामले की जांच शुरू हुई है। थ्रियेटर को अनुमति देने वाले दरोगा और बीट सिपाहियों की भूमिका की जांच हो रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अनुमति कैसे मिली और आयोजन कैसे शुरू हो गया इसमें पुलिस की भूमिका चेक की जा रही है। प्रयागराज में सोरांव महोत्सव के दौरान लगभग 1 किलोमीटर दूर बार बालाओं का डांस आधी रात तक चल रहा था। 15 डांसर गानों पर थिरक रही थी। डांस कार्यक्रम के बगल में अंग्रेजी शराब, बीयर और देसी शराब का ठेका है। यह कार्यक्रम शाम 7 बजे से रात 11 बजे तक चलता रहा। इसके लिए 100 रुपए का टिकट रखा गया था। खेत में पंडाल और स्टेज तैयार किया गया था और ऑर्केस्ट्रा आधी रात तक चलता चल रहा था। प्रतिदिन करीब 200 लोग इस कार्यक्रम में हिस्सा लेते हैं। कार्यक्रम में लग्जरी गाड़ियों से लोग डांस देखने पहुंच रहे हैं। आयोजनों के दौरान काफी पैसे उड़ाए जा रहे हैं। कार्यक्रम स्थल पर मंत्री से लेकर अफसरों तक की आवाजाही हो रही है।

फतेहपुर नूरी जामा मस्जिद का ध्वस्तीकरण नहीं होगा

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फतेहपुर की नूरी जामा मस्जिद के ध्वस्तीकरण मामले में सरकार द्वारा आगे ध वस्त न करने के आश्वासन पर याचिका निस्तारित कर दी और कहा याची की मस्जिद की जमीन के चिन्हांकन के अर्जी पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सड़क चौड़ीकरण में मस्जिद का अतिक्रमण किया गया हिस्सा ध्वस्त कर दिया गया है। सरकार ने कहा इतनी ही जरूरत थी। अब ध्वस्तीकरण नहीं होगा। यह आदेश न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन तथा न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता की खंडपीठ ने मस्जिद की तरफ से दाखिल याचिका पर दिया है। याचिका में कहा गया था कि राज्य सरकार मस्जिद को अवैध निर्माण बताकर ध्वस्त कर रही है, जबकि इसका निर्माण 1839 में हुआ था। राज्य सरकार की ओर से पेश हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता ने कोर्ट को सूचित किया कि राज्य की भूमि पर किए गए अतिक्रमण को पहले ही हटा दिया गया है। अब ध्वस्तीकरण की जरूरत नहीं है। कोर्ट ने राज्य सरकार के आश्वासन श्श्अब ध्वस्तीकरण की जरूरत नहीं हैश्श के बाद याचिका निस्तारित कर दी। कोर्ट ने कहा कि जब मस्जिद का आगे कोई ध्वस्तीकरण अपेक्षित नहीं है, तो याची के अधिकारों की पर्याप्त रूप से रक्षा की जा सकती है। याची उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 की धारा 24 के तहत सीमांकन पैमाइस के लिए आवेदन करता है तो कानून में निर्धारित अवधि के भीतर सीमांकन की प्रक्रिया पूरी की जाए।

व्हॉट्सएप पर शेयर बाजार का लालच देकर ठगी

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के सिविल लाइंस इलाके में साइबर ठगों ने महिला डॉक्टर समेत तीन लोगों से 34.77 लाख रुपए ठगी कर ली। दो मामलों में व्हॉट्सएप के जरिए शेयर बाजार में भारी मुनाफे का लालच देकर रकम ट्रांसफर कराई गई, जबकि तीसरे मामले में खाते से बिना ओटीपी आए ही रुपए गायब हो गए। साइबर थाना पुलिस ने तीनों मामलों में अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सिविल लाइंस की रहने वाली महिला डॉक्टर ने बताया कि तीन सितंबर को उनके व्हॉट्सएप पर एक अंजान नंबर से मैसेज आया। सामने वाले ने खुद को शेयर बाजार का सलाहकार बताकर भरोसा जीता और कहा कि उन्हें मुनाफे वाले आईपीओ में निवेश कराना है। जल्द ही उन्हें एक व्हॉट्सएप ग्रुप में जोड़ लिया गया और किस्तों में कुल 8.10 लाख रुपए ट्रांसफर करा लिए। जब उन्होंने रुपए निकालने चाहे तो ट्रांजेक्शन फीस और टैक्स क्लियरेंस के नाम पर बार-बार पैसे मांगे जाने लगे। ठगी का अहसास होते ही उन्होंने साइबर थाने में शिकायत दी। इसी तरह, सिविल लाइंस के एक व्यक्ति ने बताया कि अगस्त में उनके मोबाइल पर ऐसे ही एक नंबर से मैसेज आया था। ठगों ने उन्हें टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ा, जहां पहले से कई लोग मुनाफे की बातचीत करते दिखे। भरोसा जमने के बाद उन्होंने भी लाखों रुपए निवेश कर दिए, जो गुम हो गए।तीसरे पीड़ित ने बताया कि उनके खाते से बिना किसी ओटीपी के ही 10 लाख रुपए की निकासी हो गई। फिलहाल तीनों मामलों की जांच साइबर थाना पुलिस कर रही है।

बेटे की हत्या करने वाली मां को जमानत

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने घर में सो रहे सौतेले बेटे को गला घोंट कर मारने की आरोपी सौतेली मां मिनता देवी की जमानत मंजूर कर ली है। प्रकरण कौशांबी जनपद के पिपरी थाने में दर्ज है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ तथा न्यायमूर्ति प्रशांत मिश्रा-प्रथम की खंडपीठ ने दिया है। अपीलार्थी 6 फरवरी 2020 से जेल में बंद है। कोर्ट ने कुछ शर्तें भी लगाई हैं। कहा है कि वह इस अदालत की अनुमति बिना कोई स्थाई संपत्ति का हस्तांतरण, विक्रय या उस पर प्रभार नहीं कर सकेगी। अभियोजन कथानक के अनुसार अपीलार्थी ने अपने सौतेले बेटे की गला घोंटकर उस समय हत्या कर दी थी जब वह अपने पति और तीन बच्चों के साथ कमरे में सो रही थी। दलील दी कि घटना उस कमरे में हुई जहां पति-पत्नी अपने तीन बच्चों के साथ सो रहे थे। यह सिर्फ अनुमान है कि सौतेली मां होने के नाते, उसने कथित अपराध ा किया है। उसके पति पर यह साबित करने का भार था कि अपराध ा न तो उसने किया और न ही अपीलार्थी ने। कमरे के अंदर क्या हुआ, यह मिनता के पति को ही सबसे अच्छी तरह पता है, लेकिन उसका नाम इस मामले में नहीं है। यह सिर्फ समाज की सामान्य धारणा के आधार पर है। कोई भी चश्मदीद बच्चे की गवाही निचली अदालत में नहीं ली गई। अपीलार्थी का कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। सरकार ने जमानत का पुरजोर विरोध किया। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद कहा कि इस न्यायालय में प्रतिदिन सौ से अधिक आपराधिक अपीलें सूचीबद्ध होती हैं और सभी पर गुण-दोष के आधार पर निर्णय देना मानवीय रूप से संभव नहीं है। अपील पर निकट भविष्य में सुनवाई की संभावना बहुत कम है, इसलिए जमानत अर्जी स्वीकार की जाती है।

संक्षिप्त

भाजपा संगठनात्मक लोकतंत्र का ढिंढोरा पीटती है,वास्तविकता यह है कि पार्टी में फैसले पर्ची से होते हैं : अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। बिहार में सरकार गठन को लेकर केंद्रीय नेतृत्व द्वारा उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किये जाने पर समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आड़े हाथों लिया है। यादव ने कहा कि भाजपा संगठनात्मक लोकतंत्र का ढिंढोरा पीटती है, लेकिन वास्तविकता यह है कि पार्टी में फैसले पर्ची से होते हैं। बुधवार को अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए श्री यादव ने व्यंग्य करते हुए कहा, भाजपा ने इनसे जिस पद का वायदा किया था, उसको छोड़कर इन्हें बाकी सारे पद और जम्मिदारियां दी जा रही हैं। जहां पर्ची से फैसला होता है वहां क्या ये पर्ची पढ़ने जा रहे हैं? भाजपा पर्यवेक्षक नहीं दरअसल पर्चीवेक्षक भेजती है। भाजपा और लोकतंत्र विलोम हैं। गौरतलब है कि भाजपा ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को बिहार में विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। इसके साथ ही केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति को सह–पर्यवेक्षक बनाया गया है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह के अनुसार भाजपा के संसदीय बोर्ड ने यह नियुक्तियां चुनाव की प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित करने के उद्देश्य से की हैं।

फल की दुकान में लगी आग,फायर ब्रिगेड ने आधे घंटे में पाया काबू

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में गुडंबा थाना क्षेत्र के 23 नंबर चौराहा स्थित एक दुकान में मंगलवार देर रात करीब 2रू15 बजे आग लग गई। उसके बाद स्थानीय थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी मौके पर पहुंची। टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन दुकान में रखा पूरा सामान जलकर राख हो गया। पुलिस के मुताबिक आग लगने वाली दुकान आदिल नगर निवासी आमीन पुत्र रमजान अली की फल की दुकान थी। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तीन नशेड़ियों ने युवक को बेल्टों से पीटा, पुलिस ने एनसीआर दर्ज कर जांच शुरू की

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के बंथरा थाना क्षेत्र में एक युवक को बेल्टों से पीटने का मामला सामने आया है। काजी खेड़ा निवासी अशोक चंद्रा ने ऐन गांव के चन्नू, चंदू पटेल और अभिनव मिश्रा पर गाली–गलौज और मारपीट का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर एनसीआर (गैर–संज्ञेय रिपोर्ट) दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित अशोक चंद्रा ने बताया कि मंगलवार शाम वह लखनऊ से अपनी बाइक से घर लौट रहे थे। रास्ते में उनकी बाइक की चेन टूट गई, जिसके बाद वह पैदल ही गाड़ी लेकर घर जा रहे थे। इस दौरान उनके चाचा बृजभान चंद्रा भी उनके साथ थे। काजी खेड़ा निवासी अशोक चंद्रा ने ऐन गांव के चन्नू, चंदू पटेल और अभिनव मिश्रा पर गाली–गलौज और मारपीट का आरोप लगाया है। काजी खेड़ा निवासी अशोक चंद्रा ने ऐन गांव के चन्नू, चंदू पटेल और अभिनव मिश्रा पर गाली–गलौज और मारपीट का आरोप लगाया है।पीड़ित के अनुसार, कंजाखेड़ा चौराहे पर पहुंचते ही नशे में धुत चन्नू, चंदू पटेल और अभिनव मिश्रा ने उनसे बेवजह गाली–गलौज शुरू कर दी। जब अशोक चंद्रा ने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने उन्हें बेल्टों से बुरी तरह पीटा, जिससे उन्हें चोटें आईं। फिलहाल, पीड़ित की शिकायत के आधार पर बंथरा पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

जनता के सबसे निकट होते हैं विधायक–महाना

इसीलिए उनकी जवाबदेही भी अधिक

लखनऊ, संवाददाता। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन कानपुर के अध्यक्ष एसपी सिंह, महासचिव अवनीश मिश्रा एवं अन्य पदाधिकारियों के प्रतिनिधि ा मंडल ने भेंट की। प्रतिनिधि मंडल का उद्देश्य यूपी विधानसभा की कार्यप्रणाली, संसदीय परंपराओं तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं के संचालन की प्रक्रियाओं को नजदीक से समझना था।विध ानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए विधायी व्यवस्था की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "विधायक हमेशा जनता के सबसे निकट होते हैं। इसी कारण उनकी जवाबदेही भी अधिक होती है और वे अक्सर आलोचना के केंद्र में आ जाते हैं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में अन्य संस्थाओं का जनता से प्रत्यक्ष संपर्क कम होता है, जबकि विधायिका सीधे जनता के बीच कार्य करती है। ऐसे में विधायिका के प्रति नकारात्मक सोच लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है।" "जब नागरिक इस भव्य और ऐतिहासिक विधानसभा भवन का भ्रमण करते हैं और इसके स्वरूप, इतिहास एवं गरिमा को समझते हैं, तब सदन की वास्तविक महत्ता का अनुभव होता है। सभी को मिलकर विधायिका के प्रति सकारात्मक धारणा विकसित करनी चाहिए। यद्यपि सभी चुनौतियों का तुरंत समाधान संभव नहीं है, परंतु भविष्य में सुधारों की दिशा में निरंतर प्रयास आवश्यक होंगे। मुझे विश्वास है कि 18वीं विध ानसभा अपने कार्य, अनुशासन और योगदान के लिए आने वाले समय में विशेष रूप से उल्लेखित की जाएगी।" प्रतिनिधि ा मंडल ने विधानसभा परिसर का भ्रमण किया। विधानसभा स्टाफ ने उन्हें मुख्य सभा कक्ष, समिति कक्ष, सेंट्रल हॉल, प्रेस गैलरी एवं अभिलेखागार की संरचना और उपयोगिता के बारे में जानकारी प्रदान की। प्रतिनिधिमंडल ने प्रश्नकाल, विधेयक निर्माण, समितियों की भूमिका, विधानसभा की दैनिक कार्यप्रणाली से जुड़े विभिन्न पहलुओं को निकट से समझा। प्रतिनिधि मंडल ने विधानसभा अध्यक्ष के मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह भ्रमण अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरक और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति समझ को और गहरा करने वाला रहा।इस अवसर पर प्रमुख सचिव विधानसभा प्रदीप कुमार दुबे समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

विज्ञापन दरों में बढोत्तरी पर आईएपीएम ने केन्द्र सरकार का आभार व्यक्त किया

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सरकारी विज्ञापनों की दरों में बढोत्तरी किये जाने पर इंडियन एसोसियशन ऑफ प्रेस–एन–मीडियामेन (आईएपीएम) ने केन्द्र सरकार का आभार व्यक्त किया है। देश भर के प्रकाशक व हितधारी संगठन पिछले कई वर्षों से सरकारी विज्ञापनों की दरों में बढोत्तरी किये जाने की मांग कर रहे थे। मंत्रालय ने 9वीं दर संरचना समिति की सिफारिशों के आधार पर विज्ञापनों दरों में 26 प्रतिशत तक बढोत्तरी किये जाने के आदेश जारी किये हैं।

भारतीय प्रेस परिषद द्वारा अधिसूचित संगठन 'आईएपीएम' के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन सहयोगी ने कहा कि विज्ञापन किसी भी समाचार पत्र की अर्थव्यवस्था की रीड हैं जिसमें सरकारी विज्ञापनों की भी बडी हिस्सेदारी होती है। अर्थव्यवस्था के कमजोर होने से समावार पत्र की निष्पक्षता भी प्रभावित होने की संभावना बनी रहती हैं। विज्ञापनों दरों में बढोत्तरी जहां लघु व भाषाई समाचार पत्रों की अर्थव्यवस्था को मजबूती देगी वहीं अन्य संचार माध्यमों से प्रतिस्पर्धा करने में भी सहायक होगी। इसके लिए उन्होने केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव एवं सरकार की दूरदर्शी नीति का आभार व्यक्त किया है।

उल्लेखनीय है कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) एक नोडल मीडिया एजेन्सी है जो भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयोंधविभागों के विज्ञापन प्रिंट मीडिया सहित विभिन्न संचार माध्यमों द्वारा प्रकाशित–प्रसारित कराती है। प्रिंट मीडिया में सरकारी विज्ञापनों की दरों में संशोधन के लिए 11 नवंबर, 2021 को 9 वीं दर संरचना समिति का गठन किया गया था। समिति ने इंडियन न्यूजपेपर्स सोसाइटी, ऑल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम न्यूजपेपर्स फेडरेशन, ऑल इंडिया स्मॉल न्यूजपेपर्स एसोसियशन व स्मॉल–मीडियम–बिग न्यूजपेपर्स सोसाइटी आदि संगठनों एवं हितधारियों से विचार विमर्श कर अपनी संस्तुति की हैं।

विज्ञापनों दरों में बढोत्तरी किये जाने पर अधिकांश प्रकाशकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। यद्यपि केन्द्र सरकार द्वारा प्रिंट मीडिया के विज्ञापन बजट को चरणबद्ध तरीके से कम किये जाने पर चिन्ता व्यक्त की है जिसकारण सीबीसी से सूचीबद्ध अनेक समाचार पत्रों को वर्ष में एक भी विज्ञापन नहीं मिल पाता। यहां तक कि प्रिंट मीडिया विज्ञापन नीति–2020 में लघु व मझोले समाचार पत्रों के लिए निर्धारित विज्ञापन अनुपात का पालन भी नहीं किया जाता। केन्द्र सरकार ने विज्ञापनों दरों में यह बढोत्तरी प्रिंट मीडिया के इकोसिस्टम को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से लागू की है जिसका निःसंदेह लाभ समाचार पत्रों के प्रकाशकों को मिलेगा। दर संरचना समिति की सिफारिशों में आरएनआईध्एबीसी द्वारा प्रसार संख्या सत्यापित कराने व जीएसटी पंजीकृत प्रकाशनों को 25 प्रतिशन अतिरिक्त दर देने का प्रावधान भी किया गया है।

विश्व धरोहर सप्ताह : छात्रों ने रसखान समाधि स्थल का भ्रमण किया

प्रतिभाशाली छात्र – छात्राएं किए सम्मानित : जितेंद्र कुमार मिश्रा

मथुरा। रसखान समाधि स्थल पर विश्व धरोहर सप्ताह 19 से 25 नवंबर 2025 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व विभाग की क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई आगरा द्वारा छायाचित्र प्रदर्शनी के साथ के साथ–साथ चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया स आयोजन के मुख्य अतिथि श्री गुरु कार्षि्ण इंटर कॉलेज महावन मथुरा के प्रध ानाचार्य जितेंद्र कुमार मिश्र जी रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रध ानाचार्य जितेंद्र कुमार मिश्र के द्वारा मां सरस्वती के चित्रपट पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलित कर, प्रदर्शनी का उद्घाटन रिबन काटकर किया गया।

श्री गुरू कार्षि्ण इंटर कॉलेज, से कुल 50 प्रतिभागीयो ने चित्र कला प्रतियोगता मे प्रतिभाग किया स 11वीं की छात्रा जानवी ने प्रथम पुरस्कार तथा 11वीं की छात्रा साधना ने द्वितीय तथा रेशमा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, लक्ष्मी ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

छात्र–छात्राओं को स्मारक भ्रमण कराया गया स प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार मिश्र ने विश्व धरोहर सप्ताह के महत्व को समझाया तथा मानचित्रकार मुकेश कुमार ने विश्व धरोहर सप्ताह पर विचार व्यक्त किये स श्री गुरु कार्षि्ण इंटर कॉलेज के स्काउट मास्टर विनोद कुमार शुक्ल,ने विश्व ध रोहर सप्ताह के संरक्षण पर अपने विचार रखें। श्री गुरु कार्षि्ण इंटर कॉलेज महावन

मथुरा की छात्राओं द्वारा बहुत ही मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गएस

कार्यक्रम का संचालन पुरातत्व विभाग के अनुपम ने किया। पंच बहादुर द्वारा ध न्यवाद ज्ञापित किया गया इस कार्यक्रम, में विनोद कुमार शुक्ल, कसक पाराशर, मुकेश कुमार, पंच बहादुर, ऋषि देव सिंह, अंकित सिंह, आशु ,अनुपम इत्यादि उपस्थित रहे।

जानकारी के अनुसार यह प्रदर्शनी अवलोकन के लिए प्रातः 11:00 से सायं 4:00 बजे तक खुली रहेगी।

लोकपाल ने बिहार ब्लाक के खटवारा ग्राम पंचायत में लगाई ग्राम चौपाल

मनरेगा मजदूरों व आजीविका मिशन के समूहों से किया संवाद/समस्याओ का किया समाधान

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की अध यक्षता में बिहार ब्लाक के ग्राम पंचायत खटवारा में ग्राम चौपाल का आयोजन ग्राम पंचायत द्वारा हुआ। चौपाल में लोकपाल ने जन सामान्य तथा मनरेगा मजदूरों व आजीविका मिशन की महिला समूहों की समस्याओ को सुना और संवाद किया। ग्राम प्रधान , सचिव व महिला मेट को समाधान के निर्देश दिया गया।

लोकपाल समाज शेखर ने भ्रमण कर ग्राम का निरीक्षण किया। वहीं खटवारा ग्राम में गंदे जल भराव पर लोकपाल ने ग्राम वासियों को इसके दुष्परिणाम से अवगत कराते हुए प्रधान व सचिव को निर्देश दिया की आस पास के लोगो के साथ सामूहिक बैठक करके

इसका समुचित निदान करके अवगत कराया जाए। लोकपाल ग्रामीणों के आग्रह पर उनके सब्जी उत्पादन व खेती किसानी से भी रूबरू हुए।

आजीविका मिशन से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की महिलाओ को प्रोत्साहित करते हुए लोकपाल समाज शेखर ने नियमित उपयोग के खान पान से जुड़ी वस्तुओ के उत्पाद तैयार कर आर्थिक लाभ सहजता से पैदा किया जा सकता है। जिस पर तुलसी स्वयम सहायता समूह की अध यक्ष मनीषा वर्मा तथा कोषाध यक्ष सीता देवी ने नमकीन व गुड़ से जुड़े उत्पाद बनाने का निर्णय लिया। वहीं सखी स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष गुड़िया पटेल ने बरिया (कोहडौरी) तैयार करने का निर्णय लिया। लोकपाल ने समूहों को आश्वस्त किया की आप सब निर्णय लेकर पहल करें ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक सभी संबंधित विभागों व अधिकारियों से अपेक्षित सहयोग प्रदान कराया जायेगा। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि हुसैन खान व ग्राम विकास अधिकारी जगन्नाथ यादव ने दोनों समूहों के निर्णय में अपनी प्रभावी भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की जन सुनवाई में कमला देवी पत्नी श्याम लाल पटेल और साबित्री देवी पत्नी अशोक कुमार वर्मा ने उपस्थित होकर प्रधानमंत्री आवास की मांग की। बताया की घर नही है झोपड़ी में गुजारा होता है। जिस पर ग्राम सचिव जगन्नाथ यादव ने अवगत कराया की इनका सर्वे हुआ है , समयबद्ध रूप से जल्द समाधान किया जायेगा।

प्रसिद्ध कथाकार नासिरा शर्मा को मिला राजमणि देवी स्मृति साहित्य सम्मान

प्रयागराज। संचेतना के तत्वावधान में राजमणि देवी स्मृति साहित्य सम्मान मंचस्थ अतिथियों ने प्रसिद्ध कथाकार नासिरा शर्मा को प्रदान किया। नासिरा शर्मा को साहित्य अकादमी और व्यास सम्मान मिल चुका है। यह कार्यक्रम इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के धीरेंद्र वर्मा शताब्दी सभागार में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मंचस्थ अतिथियों में थे मुख्य अतिथि डॉ रविनंदन सिंह, विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर दिग्विजय सिंह, अध्यक्ष प्रो अनामिका राय एवं संचेतना के अध्यक्ष प्रोफेसर सुनील विक्रम सिंह।

कार्यक्रम के संयोजक सुनील विक्रम सिंह ने संचेतना, राजमणि देवी और नासिरा शर्मा का परिचय दिया। सम्मानित रचनाकार नासिरा शर्मा ने अपने लेखकीय

वक्तव्य में कहा कि मेरी परवरिश उर्दू घराने में हुई। जब मैं लिखने बैठती हूं तो मुझे 'पत्थर गली' के किरदार याद आते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने इलाहाबाद शहर पर केंद्रित उपन्यासों– अक्षयवट, जीरो रोड, कुंइया जान और पारिजात में अंतर्राष्ट्रीय समस्याओं को उठाया है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ दिग्विजय सिंह ने कहा कि नासिरा शर्मा ने कुंइयाजान उपन्यास में बहुत ही ज्वलंत समस्या को उठाया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रविनंदन सिंह ने कहा कि नासिरा शर्मा के कथा साहित्य में विविधता है, वह एकरेखीय नहीं है।

अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रोफेसर अनामिका राय ने कहा कि नासिरदा शर्मा के साहित्य का फलक बहुत व्यापक है। कार्यक्रम का संचालन डॉ सुधा त्रिपाठी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ अनिल कुमार ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित थे– डॉ मधुलिका सिंह, शोधार्थी देवेश कुमार पाण्डेय, प्रो राकेश सिंह, डॉ शैलेन्द्र सिंह, शोधार्थी सौरभ मिश्र, आशुतोष मिश्र, मो. शाहिद, प्रो ब्रजेश पाण्डेय, प्रो कुमार वीरेंद्र एवं डॉ सुजीत सिंह, शोध ार्थी सौम्या राज, शोधार्थी अनुराध ा सिंह एवं डॉ अमृता एवं समादृ त जन उपस्थित रहे।

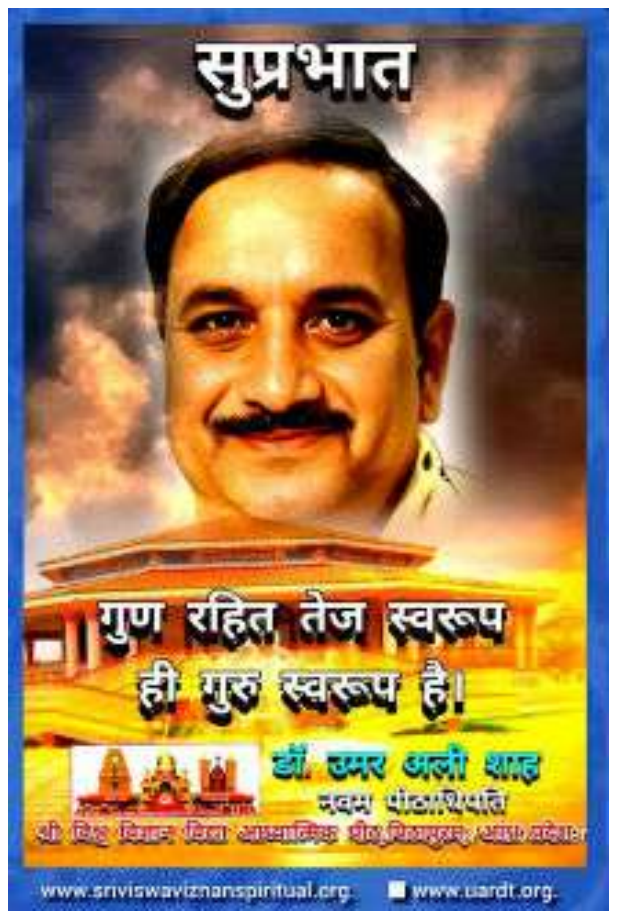

डायन्थस फूल

युग्मित एकल फूल के, पंखुड़ियों के रंग।
खुशबू से लबरेज हो, दिल में भरे उमंग।
दिल में भरे उमंग, कहें 'डायन्थसश उसको।
रहे सदा अलमस्त, मस्त दुनिया को करके।
सुन लो कहें प्रदीप, सभी को लगते सुष्मित।
मौसम के अनुकूल, फूल एकल या युग्मित।।

जिसकी हवा गवाह बन,पढ़ती नित्य कलाम।
'डायन्थसश कहते उसे,'दिव्य फूलश उपनाम।
'दिव्य फूलश उपनाम, मनोरम सबको लगता।
बाहर का यह फूल, सभी को अपना कहता।
सुन लो कहें प्रदीप, कली जब खिलती इसकी।
लाती नई बहार, चमन की खुशबू जिसकी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

योगी सरकार ने दी 95 नई परियोजनाओं को मंजूरी

करीब 9 लाख किसानों को मिलेगा फायदा

लखनऊ, संवाददाता। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में सिंचाई व जल संसाधन सुविधा की बेहतरी खातिर 95 नई परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। 39,453.39 लाख रुपये की लागत वाली इन परियोजनाओं के पूर्ण होने पर 36 हजार हेक्टेयर भूमि में सिंचाई क्षमता पुनर्स्थापित होगी, जिससे लगभग नौ लाख किसानों और ग्रामीण आबादी को लाभ मिलेगा। 273 हेक्टेयर राजकीय भूमि को संरक्षित किया जा सकेगा।अपने सरकारी आवास 5 केडी पर आज बुधवार को सिंचाई एवं जल

संसाधन विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य में नहरी व्यवस्था को और मजबूत बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वीकृत कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरे हो। गुणवत्ता से समझौता करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने दिए। उन्होंने सिंचाई विभाग को अनुपयोगी पड़ी भूमि के सर्वेक्षण कर उसका सदुपयोग करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रबंधन से जुड़े कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आगामी वर्ष की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सभी तैयारियां जनवरी माह से प्रारंभ कर दी जाएं। जनप्रतिनिधियों के मार्गदर्शन से विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए। सरकार का लक्ष्य, प्रदेश का कोई भी किसान सिंचाई के अभाव में अपनी फसल प्रभावित न होने पाए।बैठक में अधिकारियों ने बताया कि नहर प्रणाली की कनेक्टिविटी के लिए नहर निर्माण, हेड रेगुलेटर, क्रास रेगुलेटर, साइफन, फाल तथा पक्की संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। स्वीकृति परियोजनाओं में नहरों के अंदर व बाहर सुधार, क्षतिग्रस्त कुलाबों का पुनर्निर्माण, नहरों पर पुल–पुलियों के निर्माण एवं मरम्मत के अलावा नहर पटरियों पर खड़ंजा निर्माण को भी शामिल किया गया है। निरीक्षण व कार्यालय भवनों तथा नहरों पर निर्मित पनचक्कियों के जीर्णोद्धार के साथ ही विभागीय भूमि की सुरक्षा हेतु चहारदीवारी का काम कराया जाएगा। विशेष रूप से पूर्वांचल, तराई, बुंदेलखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों को इनसे बड़ा लाभ मिलेगा।

भाजपा में बढ़ा डिप्टी सीएम केशव मौर्य का कद

बीजेपी ने साधे एक तीर से कई निशाने,ऐसे ही नहीं बनाए गए हैं बिहार के पर्यवेक्षक

लखनऊ, संवाददाता। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का भाजपा में कद और बढ़ गया है। बिहार विधानसभा चुनाव में बतौर सह प्रभारी बेहतर प्रदर्शन करने के बाद उन्हें वहां पर पार्टी विधायक दल का नेता चुनने के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक बनाया गया है। बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। वहां अब पार्टी विधायक दल के नेता के चुनाव खातिर केंद्रीय नेतृत्व ने केशव प्रसाद मौर्य को केंद्रीय पर्यवेक्षक बनाया है।

सम्पादकीय.....

विलुप्त होती मोहल्ला संस्कृति

'हाई –राइज सोसायटी किसी जेल जैसी लगती है। घर से बाहर निकलो तो बस सीमैंट की दीवारें हैं, लिफ्ट में चढ़ो तो अजनबी चेहरों की चुप्पी।' शहरी विकास का खोखलापन उजागर करता एक वीडियो बीते दिनों सोशल मीडिया पर खासा चर्चित रहा। एकाकीपन से जूझती महिला के हृदय की व्यथा जग–जाहिर करता यह वीडियो दरअसल, आधुनिक युग की कटु वास्तविकता है, जिसे निदा फाजाली ने कुछ यूं बयां किया था– हर तरफ, हर जगह बेशुमार आदमी, फिर भी तन्हाइयों का शिकार आदमी।। वीडियो में तन्हाई की कसक है, जिसे अमूमन आज हर व्यक्ति महसूस कर रहा है। कारण स्पष्ट है, बदलते परिवेश के साथ हमारी प्राथमिकताएं भी बदलीं। संतुष्टि से इतर हम संपन्नता में जिंदगी तलाशने लगे। व्यस्तताओं व विलासिता में बढ़ते रुझान ने हमें हमारे उस सामाजिक दायरे से अलग–थलग कर डाला, जिसे मोहल्ला संस्कृति का नाम दिया गया था। विभिन्न परिवारों को एकसूत्र में पिरोती इस संस्कृति में सभी के सुख–दुख सांझे थे। किसी भी घर में बड़ों की आवाज गूंजती तो आस–पड़ोस में अपनापन जताते नाते–रिश्ते स्वयं ही सृजित हो जाते। शादी–ब्याह के ढोल की थाप पूरे मोहल्ले को उल्लसित कर डालती। पारस्परिक परामर्श बड़ी से बड़ी समस्याएं चुटकी में सुलझा देता। कुल मिलाकर भावनात्मक लगाव ही इस संस्कृति की विलक्षण पहचान था। इसी थीम पर निर्मित आधुनिक फ्लैट संस्कृति का जायजा लें तो स्थिति सर्वथा विपरीत नजर आएगी। दीवारें परस्पर सटी होने के बावजूद संवेदनात्मक जुड़ाव नदारद महसूस होगा। शब्द शालीन, मगर अजनबीपन का अहसास लिए। संक्षेप में, हमारा वजूद मोहल्ला संस्कृति की उदारवादी 'हम' प्रवृत्ति से सिमटकर 'मैं' तक जा पहुंचा है। यही कारण है कि वर्तमान में अवसाद व आत्महत्या के मामले अपेक्षाकृत बढ़ चुके हैं, वह भी उस दौर में, जब तकनीकी साधनों के माध्यम से लोगों से संपर्क साधना पहले की बजाय कहीं सरल है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) के सोशल कनैक्शन कमीशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, विश्व का हर छठा व्यक्ति खुद को सामाजिक रूप से एकाकी महसूस कर रहा है। अकेलापन प्रतिवर्ष 8 लाख 70 हजार से अधिक लोगों का जीवन लील रहा है। प्रति घंटे 100 से ज्यादा लोगों की मृत्यु का कारण एकाकीपन रहा। विशेषज्ञों के मुताबि+क, मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा अकेलापन शिक्षा, रोजगार तथा अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर डाल रहा है। शाब्दिक भ्रम से उबरने हेतु अकेलेपन तथा सामाजिक अलगाव की परिभाषा में अंतर जानना भी आवश्यक है। रिपोर्ट के अनुसार, अकेलापन वह पीड़ा है जो अपेक्षित सामाजिक जुड़ाव नहीं मिलने पर महसूस होती है, जबकि सामाजिक अलगाव की स्थिति में व्यक्ति के पास संबंधों का ही अभाव होता है। यह समस्या कमोबेश समाज के हर वर्ग को प्रभावित कर रही है लेकिन युवाओं, बुजुर्गों तथा गरीब देशों में रहने वाले लोगों में इसका प्रभाव सर्वाधिक देखने में आए। एक रिपोर्ट के तहत, 5 प्रतिशत से 15 प्रतिशत किशोर अकेले हैं। अफ्रीका में 12. 7 प्रतिशत किशोर अकेलेपन का अनुभव करते हैं, जबकि यूरोप में यह दर 5.3 प्रतिशत है। भारत में भी यह समस्या दिनों–दिन बढ़ रही है। वैश्विक स्तर पर हर चौथा बुजुर्ग अकेलेपन की समस्या से पीड़ित है, जिस कारण मानसिक दबाव बढ़ा है। बुजुर्गों में अकेलेपन के कारण मनोभ्रंश विकसित होने का खतरा 50 प्रतिशत ज्यादा होता है। हार्ट अटैक या स्ट्रोक का खतरा 30 प्रतिशत बढ़ जाता है। स्कूल में अकेलापन अनुभव करने वाले युवाओं में विश्वविद्यालय छोडने की संभावना अधिक होती है। अलग–थलग महसूस करने से नौकरी में संतुष्टि तथा प्रदर्शन खराब हो सकता है। परिवार में टकराव की संभावनाएं पनपती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस समस्या के अनेक कारण हैं। स्वास्थ्य की स्थिति, कम आय, कम शिक्षा, अकेले रहना, कमजोर सामुदायिक ढांचा, उपेक्षित सरकारी नीतियां, आर्थिक चुनौतियां, महंगाई, बेरोजगारी, बढ़ती डिजिटल निर्भरता आदि। खास तौर पर युवाओं में अत्यधिक मोबाइल एवं स्क्रीन टाइम तथा नकारात्मक ऑनलाइन व्यवहार मानसिक तनाव को अत्यधिक बढ़ा रहे हैं। सम्पूर्ण विकास हेतु सामाजिक जुड़ाव अत्यंत आवश्यक है। यह जीवन को लंबा, स्वस्थ और खुशहाल बनाने में सहायक सिद्घ होता है, वहीं अकेलापन स्ट्रोक, हृदय रोग, मधुमेह, स्मृति की समस्या तथा समय से पूर्व मृत्यु का जोखिम बढ़ा देता है। डिप्रैशन, चिंता, और आत्मघात जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न करने वाला अकेलापन प्रतिदिन 15 सिगरेट पीने से कम घातक नहीं। फैसला अब हमें करना है, आभासी दुनिया और अहम् के दायरों में बंद रहेंगे या फिर आस–पड़ोस के दरवाजों पर दस्तक देकर मोहल्ला संस्कृति के अपनत्व भरे स्वरूप को पुनर्जागृत कर, अकेलेपन के दानव को मात देंगे?

अधर में लटका हुआ है अमरीका का भविष्य

सीमा सिरोही

केंद्र को अब पारदर्शी चुनावी फंडिंग प्रणाली पर काम करना चाहिएसर्वोच्च न्यायालय को बधाई चुनावी बांड रद्द करने के आदेश से लोकतंत्र मजबूत हुआ

'डैमोक्रेट्स की उधेड़ बुन' डैमोक्रेटिक पार्टी के लिए अपने आंतरिक और बाहरी संघर्षों को दर्ज करने का एक सदाबहार शीर्षक रहा है। लेकिन क्या होगा जब डोनाल्ड ट्रम्प की देशभक्ति और पूर्ण प्रभुत्व के बावजूद रिपब्लिकन पार्टी का पतन हो जाए? दोनों पक्षों की अव्यवस्था को औद्योगिक स्तर पर सफाई की जरूरत है। लेकिन और भी रिसाव की उम्मीद है। गहरे भू–राजनीतिक उतार–चढ़ाव के दौर में यह आत्मविश्वास जगाने वाला नहीं है लेकिन अमरीकी राजनीति में एक बिल्कुल नए युग की शुरुआत हो सकती है। दोनों दलों की आत्मा की लड़ाई खतरनाक रूप से वास्तविक होती जा रही है क्योंकि सीमांत झगड़े केंद्र में आ रहे हैं। अमरीका का भविष्य अधर में लटका हुआ है। युवा वामपंथी डैमोक्रेट्स पुराने मध्यमार्गियों को चुनौती दे रहे हैं। 2026 के मध्यावधि चुनावों से पहले उन्हें परास्त करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि वर्जीनिया और न्यू जर्सी में मध्यमार्गियों ने गवर्नरशिप जीती लेकिन न्यूयॉर्क मेयर चुनाव में जोहरान ममदानी की जीत ने सबसे ज्यादा चर्चा बटोरी। समाजवादी बड़े शहरों के कॉलेज–शिक्षित उदारवादियों के साथ हैं। लेकिन क्या वे देश के अन्य 'कम विकसित' हिस्सों में टिक पाएंगे? क्या ममदानी, अलेक्जेंड्रिया ओकासियो–कोर्टेज उर्फ ए.ओ.सी. और उनके गॉडफादर बर्नी सैंडर्स आगे चलकर डैमोक्रेट्स की पहचान बनेंगे? क्या मध्यमार्गी रद्द हो जाएंगे? यह कहना अभी जल्दबाजी होगी। लेकिन आशावादी लोग जोर देकर कहते हैं कि डैमोक्रेट्स 'घटाव का नहीं, जोड़ का खेल' खेल रहे हैं। हर जिला, हर लड़ाई अनोखी होती है और स्थानीय मुद्दों पर ही तय होगी। जितने ज्यादा लोग होंगे, उतना ही अच्छा होगा और तंबू भी बड़ा होगा। नीले रंग की जीत दर्ज होने और जश्न शुरू होने में बमुश्किल ही समय लगा था कि गृहयुद्ध तेज हो गया। पार्टी का एक बड़ा हिस्सा शटडाऊन के 'विश्वासघात' पर गुस्से से भड़क उठा । 7 डैमोक्रेट सीनेटरों ने इसे खत्म करने के लिए रिपब्लिकन के साथ वोट दिया। सरकार को फि र से घेरने के उनके वोट से उन्हें स्वास्थ्य सेवा सबसिडी पर कोई गारंटी नहीं मिली, यही मुख्य कारण था कि डैमोक्रेट्स ने यह रुख अपनाया। इसीलिए गुस्सा और आरोप–प्रत्यारोप दिखे। मीडिया से मिली भारी मदद के बावजूद, ट्रम्प के बहाने काम नहीं आ रहे हैं। 33 प्रतिशत तक गिर चुकी अनुमोदन रेटिंग के साथ, वह जो बाइडेन के 'सीमा नियंत्रण में है' वाले भ्रम के दौर से गुजर रहे हैं। ऐसा लगता है कि वह व्हाइट हाऊस में बॉलरूम और बाथरूम बनवाने, ग्रेट गैट्सबी थीम वाली

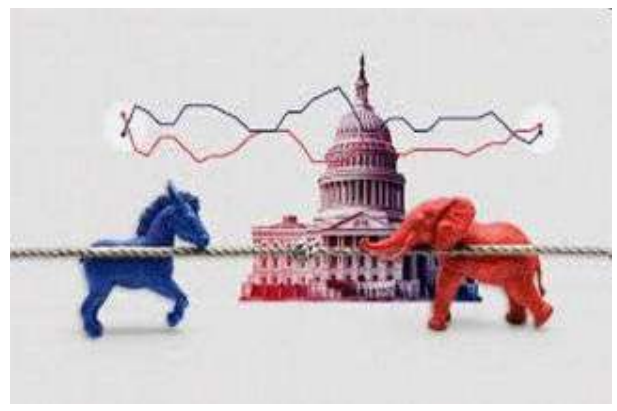

पाघ्टयां करने और दुनिया भर में हवाई यात्रा करने में ज्यादा व्यस्त हैं, नोबेल शांति पुरस्कार की उनकी चाहत की तो बात ही छोड़ दीजिए। वह जानते हैं कि उनके नीचे की जमीन हिल रही है, भले ही वह दावा करें कि ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। प्रमुख आवाजें एच.1बी वीजा, इसराईल को सहायता, पूर्व आतंकवादी से सीरियाई राष्ट्रपति बने अहमद अल–शरा को व्हाइट हाऊस में आमंत्रित करने और घरेलू मुद्दों पर विदेश नीति को तरजीह देने के उनके रुझान को लेकर ट्रम्प को चुनौती दे रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि ये प्रमुख आवाजें खुद भी आपस में कई तरह की लड़ाइयों में उलझी हुई हैं। मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन)की रानी लॉरा लूमर, जिनकी खुशी ही तय करती है कि दरबार में किसे बैठना है, टकर कार्लसन के साथ एक तरह की 'सर्वाइवर' प्रतियोगिता में हैं जो 'मागा' के भविष्य का मालिक बनना चाहता है। कार्लसन पर यहूदी–विरोधी होने का आरोप लगाया गया है जब उन्होंने पूछा था कि क्या इसराईल के लोग वाकई चुने हुए लोग हैं या यह 'ईसाई पाखंडों में सबसे पुराना' है। 'मागा' वर्ल्ड कम तीव्रता वाले भूकंपों का सामना कर रहा है और ऐसे सवालों पर बिखर रहा है जिन्हें कई लोग खुले तौर पर उठाना मुश्किल समझते हैं। अमरीका को इसराईल का समर्थन क्यों करना चाहिए? आप्रवासन समाज पर क्या असर डाल रहा है? विरासत वाले अमरीकी (श्वेत नागरिक) कितना 'भूरापन' झेल सकते हैं? क्या हिटलर 'कूल' था? 'ग्रॉयपर्स' की दुनिया में आपका स्वागत है, यह शब्द निक फ्यूएंट्स के अनुयायियों के लिए है। निक फ्यूएंट्स एक अति–दक्षिणपंथी, श्वेत राष्ट्रवादी पॉडकास्टर हैं, जिनके बयानों ने न केवल विनम्र रूढिघ्वादियों को बल्कि कट्टरपंथी 'मागा' के भीतर भी कई लोगों को झकझोर दिया है। कुछ हद तक प्रचार की चाहत में, कुछ हद तक सत्ता–विरोधी साख साबित करने की निरंतर जरूरत से प्रेरित और कुछ हद तक जो भी घटिया कीचड़ मिल सके उसमें हाथ डालने वाले फ्यूएंट्स इस जटिल दुनिया को समझने की चाह रखने वाले कई लोगों के लिए एक ऑनलाइन गुरु हैं। वह इस बात से इंकार करते हैं कि गाजा में नरसंहार हुआ ही नहीं और यहूदियों को बेवफा मानते हैं। हां, यहूदी–विरोधी वही शब्द है जिसकी आपको तलाश है।

समाज का फिल्टर

अनवार अब्बास नकवी
अहमदगंज, प्रयागराज

आम तौर पर यही कहा और समझाया जाता है कि शेरध्काव्य के तखघ्लीक–कारध्रचनाकार हमेशा हकघिकघ्त से दूर खघ्यालध्कल्पना की दुनिया में रहते हैं,यह दर अस्ल कम निगाही से हासिल स्तही जायजे का फैलाया हुआ वसवसाध्भ्रम है। हकघिकघ्त यह है कि अदब के रचने वाले समाज के हर तबकध् से जुड़े होते हैं इस लिए उन्हें समाज की छोटी से छोटी तब्दीली, मामूली से मामूली बेचौनी की खघ्बर होती, वह उन तब्दीलियों और बेचौनियों के बाद में जाहिरध्रकट होने वाले असरध्रभाव को बहुत पहले महसूसध्आभास कर के लिखना कहना शुरूअ कर देते हैं जो कि आम लोगों पर जाहिर न होने के सबब उन्हें खघ्यालध्कल्पना मालूम होते हैं।

अलग अलग कघ्स्मि के हालातधस्थितियों के जेरे असर ओ तकघजा शाइरध् कवि की एक खघ्यालीध् काल्पनिक दुनिया भी होती है। यह दुनिया उनकी एक ऐसी दुनिया होती है जिसे वह दुनिया के सामने माडल के तौर पर पेश करते हैं ताकि अवाम उसकी तरफ मुतवज्जह हों और वैसी दुनिया को वजूद में लाने के लिए रागिब हों,काम करें, कभी उनके माडल पर काम होता है और कभी नहीं भी होता। यह किसी से रद न हो पाने वाली हकघिकघ्त है कि जंग आजादी सब से पहले शाइरध्कवि ने कल्पना में लड़ी थी और आजादी के बाद घ्नये सवेरेघ् का तसव्वुर जब उनकी खघ्यालीध्काल्पनिक रचनाओं में पुराना हो गया तब कहीं सियासत ने गरीबी हटाओ, सर्वजन हिताय और अच्छे दिन को मुद्दा बनाया। यह मिसालें तो बिल्कुल सामने की हैं,इस तरह की अनगिनत मिसालें साहित्यध्अदब की तारीखघ में भरी पड़ी हैं। पुरानी मिसाल यह भी है कि दास्तान में जमशेद नाम का एक ऐसा खघ्याली बादशाह गढ़ा गया जो अपने करिश्माती पियाले में अपनी हुकूमत ही नहीं बल्कि कहीं के भी हालात देख लेता था, वह उसी के जरीये अपने लोगों से रूबरू हो कर बात कर लेता था! यह खघ्याली दास्तान तब लिखी गयी थी जब वीडियो कालिंग का तसव्वुर नहीं था! सच यही है कि हर तरकघ्कघी पहले खघ्याल और कल्पना में ही जन्म लेती है।

सनातन की मानें कि कवि को शब्द विषय ज्ञान माँ सरस्वती से मिलते हैं! कवियों का दायित्व है कि वह उनका प्रयोग सत्य और सृष्टि के हित में करें,और इस्लाम की सुनें तो हदीसें बताती हैं कि शाइर के पास लफ्ज हजरत पैगम्बर से पूछ कर आते हैं! शाइरों का फर्ज है कि वह उन लफ्जों का इस्तेमाल ईमानदारी के साथ सच्चाई और खघ्ल्कघ की भलाई के लिए करें। यह शब्द न तो कवि के पास मात्र कल्पना के लिए आते होंगे और न यह लफ्ज शाइर के पास सिर्फ खघ्याल के लिए होंगे! कुछ तो राजध्रहस्य होगा इस इंतेजामध्व्यवस्था के पीछे? राजध्रहस्य समझ में आ सकता अगर इतनी सी बात समझ ली जाये कि यह शाइरध्कवि ही हैं जिनके अन्दर किसी भी कघ्स्मि की जियादतीध्अति के खघ्लिाफधविरुद्ध बोलने लिखने का हौसला है,उन्हें सच कहने में न तो डर लगता और सच कहने पर होने वाले अपने जाती नुकघ्सान की परवा! वह सच कहने की कोई कघीमत भी चाहते, मांगते नहीं! वैसे शाइरों और कवियों में कुछ ऐसे भी होते हैं जो अपने फर्जध् दायित्व के खघ्लिाफ काम करते और वह अपने काम से समाज और सृष्टि को नुकघ्सानध्हानि पहुँचाते हैं।

शाइरध्कवि खघ्ुदा की हम्द, परमात्मा की वंदना, पैगम्बरध्इतरते पैगम्बर की तारीफ ओ मद्ह, देवताध् भगवान के महिमा का कोई मोल नहीं चाहते क्योंकि उन्हें मालूम होता है कि इनकी कघीमत दे पाना किसी के बस में नहीं। मगर मजेदार बात यह है कि वह हुकूमत करने वालों की तारीफध्प्रशंसा मुफ्त में नहीं करते! और इस से भी मजेदार बात यह है कि पैसे पाने के लिए भी जो कुछ हुकूमत करने वालों की तारीफ में कहते लिखते हैं उसका यह मतलब नहीं होता कि लिखी कही गयीं खघ्ूबियाँ हुकूमत करने वाले में मौजूद हैं बल्कि मतलब यह होता है कि लिखी जाने वाली खघ्ूबियाँ हुकूमत करने वालों में होनी चाहिए! अगर उन में वह खघ्ूबियाँ नहीं हैं तो वह अपने अन्दर उन्हें पैदा करें, यानि एक तरह से वह उन्हें खघ्बरदार करते हैं कि अगर वह लिखी कही गयी खघ्ूबियाँ अपने अन्दर नहीं लायेंगे तो नतीजे खघ्राब हो सकते हैं। शायद इसी पैगामे हिदायत पहुँचाने की वजह से कहते हैं कि शायरी पैगाम पहुँचाने का काम है, संभवतः इसी लिए कहते हैं कि कवि की रचनाध्वाणी में सरस्वती का वास होता है।

बात दिल बहलाने की भी करते हैं शाइरध्कवि क्योंकि इंसान के दिल का बहलना भी जरूरी होता है मगर वह सिर्फ दिल नहीं बहलाते,वह दिमाग को झंझोड़ते हैं,सोचने पर मजबूर भी करते हैं!मसअलोंधसमस्यायों की निशान देही और उनके हलधसमाधान की तरफ तवज्जोहध्ध्यान दिलाना,तसल्ली देना हौसला बढ़ाना,सिम्त नुमाईध् मार्गदर्शन करने का काम भी शाइरध्कवि करते है,समाज और सृष्टि की इतनी फिक्र धचिंता करने वाला और कौन हो सकता है,शाइरध्कवि के अलावा किसके दिल में दुनिया भर के दुख पालने की हिम्मत है और किसके दिमाग को दुनिया भर की फिक्र करने की फुर्सत है जब कि उन्हें कुछ न मिलना हो?

सत्यम शिवम सुंदरम से लेकर खघ्ुदा जमील है और जमाल को पसंद करता है तक एक फलसफाध्दर्शन मुहीत है। हकघ्सत्य, आलमे वजूदध् सृष्टि,नेकीध्भलाई में जो जमालधसौंदर्य है उसे खघ्ूबसूरती से ही समझा जा सकता है,यानी उसे बेऐबध्दोष मुक्त आँख और सोच से ही देखा समझा जा सकता है वर्ना मुलव्विसधलिप्त आँख और सोच का बेऐब होना नामुमकिन होता है। उसी की आँख और सोच बेऐब हो सकती है जो अपना सब कुछ खघ्ुदाध्परमात्मा पर कघ्र्बान कर के भी उसकी खघ्ूबसूरती के अलावा कुछ न देखे। शाइरध्कवि भी जमालध् सौंदर्य तक पहुंच पाने के लिए फिक्र ओ खघ्याल की खघक छाना करते हैं,सुब्स से रात तक,बाग से सहरा तक,बचपन से बुढ़ापे तक,जिंदगी से मौत तक, मकघ्तल से मदफन तक वह खघ्ूबसूरती ही तो ढूंढते रहते हैं! शायद इसी लिए उन्हें रूप का रसिया कहा जाने लगा हो। होश से नशे तक फैली हुई खघ्ूबसूरती को वही महसूस कर सकते हैं जो समाज में अलग अलग तरह के फैलने वाले जहरीले धुवों को किसी फिल्टर की तरह छानते रहते हैं, अगर वह जङ्घ छानने का काम न करें तो समाज में इंसानों का सांस लेना और जी पाना दूभर हो जाये,सच्चे शाइरध्कवि समाज का फिल्टर होते हैं।

देश को जनसंख्या लाभांश के फायदे या संसाधनों पर दबाव,बेरोजगारी एक त्रासदी

संजीव ठाकुर

भारत आज मात्र एक विशाल जनसंख्या वाला देश नहीं बल्कि वह सभ्यता है जिसकी जनसंख्या देश की आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय दिशा को तय करने वाली निर्णायक शक्ति बन चुकी है। वर्ष 2023 के बाद से भारत विश्व का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन गया है और यह संख्या अब लगभग 1.45 अरब के आसपास पहुँच रही है। परंतु यह तथ्य जितना गौरवपूर्ण प्रतीत होता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी है, क्योंकि बढ़ती आबादी देश के विकास की धुरी भी है और विकास का बोझ भी। जनसंख्या की यह जटिल स्थिति भारत के लिए दोधारी तलवार के समान हैस एक ओर वह अपार युवा ऊर्जा, श्रमशक्ति और आर्थिक संभावनाएँ प्रदान करती है, तो दूसरी ओर वह संसाधनों, शिक्षा, रोजगार और पर्यावरण पर असंतुलित दबाव उत्पन्न कर देती है। यही कारण है कि भारत की जनसंख्या पर किसी भी प्रकार का विमर्श केवल आंकड़ों की चर्चा भर नहीं होता, बल्कि यह राष्ट्रीय विकास, सामाजिक स्थिरता और मानव गुणवत्ता का प्रश्न बन जाता है। भारत की वर्तमान जनसंख्या संरचना में लगभग 67 से 68 प्रतिशत लोग कार्यशील आयु–वर्ग में आते हैं, जो विश्व में सबसे बड़ा युवा समूह है। यह स्थिति भारत को "जनसंख्या लाभांश" प्रदान करती है जो हर राष्ट्र को अपनी आर्थिक तेजी बढ़ाने का एक ही अवसर देता है। यदि यह युवा समूह शिक्षित, प्रशिक्षित और उत्पादक बन सके तो वह देश को आर्थिक महाशक्ति बनाने में निर्णायक योगदान दे सकता है। किंतु समस्या यह है कि देश में हर वर्ष लाखों युवा रोजगार की तलाश में निकलते हैं, जबकि गुणवत्तापूर्ण नौकरियों का निर्माण उतनी गति से नहीं हो रहा। बेरोजगारी दर युवा वर्ग में अभी भी चिंताजनक है और असंगठित क्षेत्रों का व्यापक विस्तार युवाओं को स्थिर रोजगार से दूर कर देता है। यदि रोजगार–सृजन की गति, कौशल विकास और शिक्षा सुधार के साथ तालमेल नहीं बैठ पाया तो वही युवा शक्ति जो अवसर थी, भविष्य में सामाजिक तनाव, आर्थिक दबाव और असंतोष का स्रोत बन सकती है। बढ़ती जनसंख्या का दूसरा बड़ा प्रभाव प्राकृतिक संसाधनों पर पड़ रहा है। भारत में जल संकट, भूमि क्षरण, वनों की कटाई, प्रदूषण और ऊर्जा की बढ़ती मांग ये सभी समस्याएँ जनसंख्या के असंतुलित विस्तार से और भी गंभीर हुई हैं। महानगरों में लगातार बढ़ते पलायन ने झुग्गियों का विस्तार, प्रदूषण, ट्रैफिक जाम, जीवन–स्तर में गिरावट और शहरी असमानताओं को बढ़ाया है। देश के जल–स्तर में गिरावट और भू–जल के अत्यधिक दोहन ने कई राज्यों में जल–संकट को स्थायी रूप दे दिया है। ऐसे में बिना सतत संसाधन–प्रबंधन के जनसंख्या वृद्धि विकास की गति को रेंगने पर मजबूर कर देगी। भारत के विकास की तीसरी प्रमुख चुनौती स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता है। आज भी मातृ मृत्यु दर लगभग 97 प्रति एक लाख जीवित जन्म और शिशु मृत्यु दर 27 प्रति हजार के आसपास है, जो यह संकेत देते हैं कि स्वास्थ्य ढांचा अभी भी मजबूत और सर्वसुलभ नहीं बन पाया है। यदि इतनी बड़ी जनसंख्या को स्वस्थ, सक्षम और उत्पादक बनाना है तो स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुँच, गुणवत्ता और पोषण व्यवस्था को बेहतर बनाना अनिवार्य है। विशेषकर ग्रामीण महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सुलभ स्वास्थ्य–सेवा उपलब्ध कराना ही दीर्घकालीन जनसांख्यिकीय संतुलन की नींव बनेगा। अब बात करें शिक्षा की जो किसी भी जनसंख्या नियंत्रण और गुणवत्ता–वृद्धि का सबसे सशक्त माध्यम है। विशेषकर महिला शिक्षा जनसांख्यिकीय परिवर्तन में सबसे निर्णायक भूमिका निभाती है। एक शिक्षित महिला न केवल अपने परिवार में स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा के लिए बेहतर निर्णय लेती है, बल्कि वह परिवार नियोजन के प्रति भी जागरूक होती है। भारत में जिन राज्यों में महिला साक्षरता अधिक है, वहाँ कुल उर्वरता दर स्वतः नियंत्रित हो गई है। इस प्रकार जनसंख्या केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और शिक्षा के प्रसार से नियंत्रित होती है। रोजगार और अर्थव्यवस्था की दृष्टि से देश में शुरू की गई योजनाएँकृकौशल विकास अभियान, स्टार्टअप इंडिया, मुद्रा योजना, आत्मनिर्भर भारत अभियानकृकई युवाओं को नया अवसर प्रदान कर रही हैं, किंतु इन योजनाओं का प्रभाव तभी व्यापक होगा जब वे गाँव–गाँव तक संरचना और प्रशिक्षण के साथ पहुँचें। ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी तो पलायन कम होगा, और शहरों पर भार भी घटेगा। केवल महानगरों और आईटी सेक्टर में रोजगार केंद्रित करने से भारत की विशाल जनशक्ति संतुलित उपयोग नहीं पा पाएगी। परिवार नियोजन भारत में लोकतांत्रिक एवं स्वैच्छिक मॉडल पर आधारित रहा है। चीन ने जहाँ "वन चाइल्ड पॉलिसी" अपनाई, वहीं भारत ने सामाजिक सहभागिता, जागरूकता और स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से जनसंख्या संतुलन का रास्ता चुना। यह मॉडल टिकाऊ और मानवीय है, परंतु इसके परिणाम तभी मजबूत होंगे जब ग्रामीण समुदायों में जागरूकता, शिक्षा और स्वास्थ्य–सेवा की पहुँच पर्याप्त होगी। जनसंख्या को केवल बोझ मानना गलत है, क्योंकि वही जनसंख्या यदि सही दिशा और अवसर पाए तो आर्थिक, सामाजिक और बौद्धिक ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत बन सकती है। परंतु इसे अनियंत्रित छोड़ देना राष्ट्र की प्रगति को अवरुद्ध कर सकता है। इसलिए भारत को एकीकृत दृष्टि की आवश्यकता है जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, रोजगार सृजन, लैंगिक समानता और पर्यावरणीय स्थिरता को एक साथ जोड़कर देखा जाए। भारत की जनसंख्या वास्तव में एक विशाल सामर्थ्य है। यदि इसे सही नीति, सही दिशा, सही अवसर और सही सामाजिक वातावरण मिले तो यह भारत को विकासशील से विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में निर्णायक रूप से आगे बढ़ा सकती है। लेकिन यदि यह दिशा–विहीन रही तो यही शक्ति देश की सबसे बड़ी बाधा बन सकती है। इसलिए अब समय यही है कि हम संख्या की भीड़ को सक्षम, शिक्षित, स्वस्थ और उत्पादक शक्ति में बदलें तभी यह भूमि अपने जनसमुदाय के बोझ से नहीं, बल्कि उनकी ऊर्जा से आलोकित होगी और भारत अपने जनबल के दम पर विश्व में नई पहचान स्थापित करेगा।

पाकिस्तानी पॉप सिंगर ने लाइव कॉन्सर्ट में फहराया भारत का झंडा, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस तो बोले- 'मैं फिर करूंगा'

पाकिस्तान के लोकप्रिय पॉप सिंगर और उर्दू रैप के स्टार तल्हा अंजुम एक बार फिर चर्चा में हैं। पहले वे भारत को लेकर विवादित बयान देने की वजह से सुर्खियों में आए थे, लेकिन इस बार मामला बिल्कुल उलटा है। हाल ही में उन्होंने नेपाल के काठमांडू में हुए एक लाइव शो के दौरान भारतीय तिरंगे को मंच पर लहराया, जिससे सोशल मीडिया पर हलचल मच गई। उनका यह वीडियो देखते ही देखते इंटरनेट पर वायरल हो गया। काठमांडू में आयोजित एक म्यूजिक फेस्टिवल के दौरान तल्हा अंजुम अपनी परफॉर्मेंस दे रहे थे। बताया जाता है कि वे भारतीय रैपर्स के साथ चल रहे अपने विवाद को लेकर बना एक डिस्ट्रैक गाना परफॉर्म कर रहे थे। इसी दौरान भीड़ में मौजूद एक फैन ने उनकी ओर भारतीय राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा) उछाल दिया। तल्हा ने झंडे को हवा में पकड़ लिया। उसे सम्मान के साथ ऊपर उठाया। फिर कुछ पल बाद तिरंगे को अपने कंधों पर लपेटकर गाना जारी रखा। यह पल वहां मौजूद लोगों के बीच किसी सरप्राइज से कम नहीं रहा। दर्शकों ने हूटिंग और तालियों के साथ उनका उत्साह बढ़ाया। यह वीडियो जैसे ही एक्स (ट्विटर) पर वायरल हुआ, फैंस की प्रतिक्रियाएं दो हिस्सों में बंट गईं। कई भारतीय यूजर्स ने तल्हा की इस हरकत को स्पोर्ट्समैनशिप और आर्टिस्टिक स्पिरिट बताया। तो वहीं, पाकिस्तान से कुछ यूजर्स ने इसे "अनावश्यक विवाद" बताया। कुछ ने कहा कि उन्हें तिरंगा लहराने की जरूरत ही नहीं थी। विवाद बढ़ने के बाद तल्हा अंजुम ने एक्स पर एक भावुक पोस्ट लिखी, जिसमें उन्होंने कहा– "मेरे दिल में नफरत के लिए कोई जगह नहीं है। मेरी कला सीमाओं में बंधी नहीं है। अगर भारत का झंडा उठाने से विवाद होता है, तो होने दो मैं यह फिर से करूंगा। मुझे सरकारों और उनके प्रोपेगेंडा से कोई फर्क नहीं पड़ता। उर्दू रैप हमेशा सीमाहीन रहा है और रहेगा।" उनके इस बयान को भारत समेत कई जगहों पर समर्थन मिला, वहीं पाकिस्तान में इस पर बहस जारी है। तल्हा अंजुम पाकिस्तानी संगीत जगत का जाना–पहचाना नाम हैं। वे रैपर, लिरिसिस्ट, हिप–हॉप आर्टिस्ट के रूप में बेहद लोकप्रिय हैं।

> काठमांडू में आयोजित एक म्यूजिक फेस्टिवल के दौरान तल्हा अंजुम अपनी परफॉर्मेंस दे रहे थे। बताया जाता है कि वे भारतीय रैपर्स के साथ चल रहे अपने विवाद को लेकर बना एक डिस्ट्रैक गाना परफॉर्म कर रहे थे। इसी दौरान भीड़ में मौजूद एक फैन ने उनकी ओर भारतीय राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा) उछाल दिया।

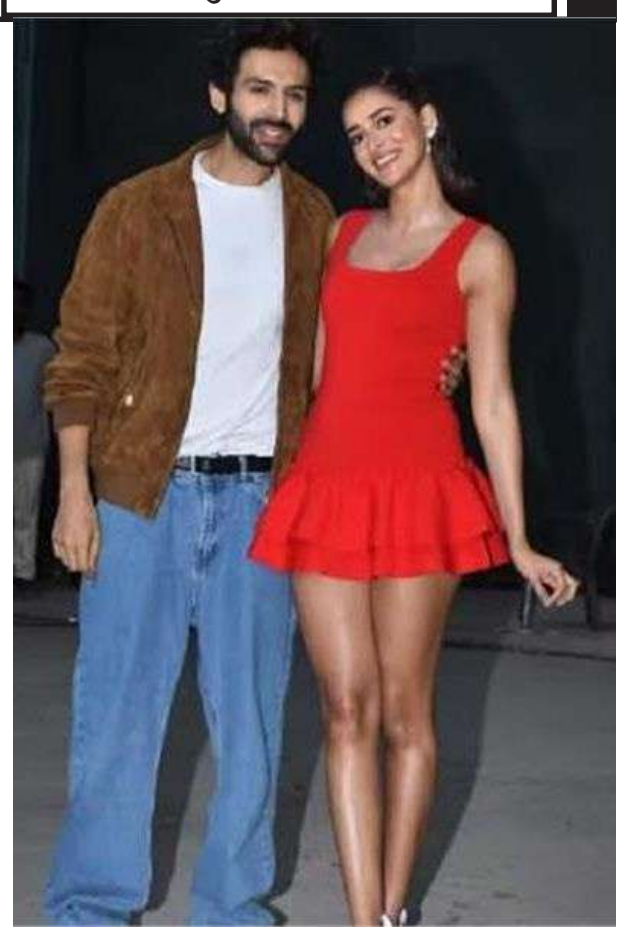

फिल्म प्रमोशन के बीच कार्तिक संग अनन्या की जबरदस्त केमिस्ट्री, मिनी ड्रेस में रेड पटाखा बन एक्ट्रेस ने चुराई लाइमलाइट

बॉलीवुड के चर्चित स्टार कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' को लेकर सुर्खियों में है। फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। ऐसे में दोनों स्टार्स लगातार फिल्म की प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसी बीच मुंबई में हुए एक इवेंट से अनन्या–आर्यन की लेटेस्ट तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर धमाल मचा दिया है। लुक की बात करें तो इस दौरान अनन्या पांडे रेड कलर की शॉर्ट ड्रेस में बेहद ग्लैमरस लगीं। छोटी सी ड्रेस में वह पूरे कॉन्फिडेंस से अपनी टोंड लेग्स फ्लॉन्ट करती दिखीं। उनका बार्बी–इंस्पायर्ड लुक ग्लोसी मेकअप और खुले बालों के साथ और निखर उठा। वहीं कार्तिक आर्यन व्हाइट टी–शर्ट, ब्लू जींस और ब्राउन जैकेट में काफी डैशिंग नजर आए। उनका कैजुअल लेकिन क्लासी लुक फैंस को खूब पसंद आया। इवेंट में अनन्या और कार्तिक ने एक–साथ में कई पोज दिए। इस दौरान दोनों की बीच की बॉन्डिंग देखत ही बनी। एक फोटो में दोनों एक–दूसरे की तरफ देखते हुए इतने खोए नजर आए कि फैन कमेंट्स की बाढ़ आ गई। फिल्म की बात करें तो कार्तिक और अनन्या की रोमांटिक–ड्रामा फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' 25 दिसंबर यानी क्रिसमस के मौके पर रिलीज होगी।

प्रियंका चोपड़ा ने वाराणसी में महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन संग काम करने को लेकर कही ये बात

ग्लोब ट्रॉटर इवेंट की बड़ी कामयाबी ने सच में हलचल मचा दी है। इस इवेंट ने दर्शकों को एस. एस. राजामौली की अगली मेगा फिल्म वाराणसी का दमदार टीजर और टाइटल दिखाया, जो महेश बाबू स्टेयरिंग है, और कहना होगा कि यह भारत का अब तक का सबसे बड़ा रिवील बन गया है, जिसने सारी पहले की उत्सुकता को पीछे छोड़ दिया है। इस इवेंट में जहाँ भारी संख्या में फैंस शामिल हुए, वहीं पूरी कास्ट भी मौजूद थी जिसमें महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा जोनस और पृथ्वीराज सुकुमारन जैसे बड़े स्टार्स को देखा गया। फिल्म को लेकर सब उत्साहित हैं, लेकिन प्रियंका को खास तौर पर खुशी है क्योंकि उन्हें तेलुगु और मलयालम इंडस्ट्री के दो दिग्गज महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ काम करने का मौका मिल रहा है, वो भी एस. एस. राजामौली की फिल्म में। ऐसे में प्रियंका ने अपने सोशल मीडिया पर सुपरस्टार महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा है "तेलुगु और मलयालम इंडस्ट्री के इन दो दिग्गजों के साथ काम करना, और वो भी एस. एस. राजामौली की फिल्म में, अपने आप में ही एक बड़ा सौभाग्य है। इसके ऊपर हम अपनी फिल्म को इंटरनेशनल मीडिया के साथ प्रमोट कर रहे हैं, वो भी रिलीज से लगभग एक साल पहले! उनकी प्रतिक्रियाएँ देखना और बढ़ती उत्सुकता महसूस करना, सच कहें तो, बहुत रोमांचक है। भगवान की कृपा से, हम आपकी उम्मीदों पर खरे उतरेंगे। जय श्री राम।

किस किसको प्यार करूं 2 की रिलीज से पहले गोल्डन टेंपल पहुंची पारूल गुलाटी, फिल्म की सफलता के लिए लिया आशीर्वाद

एक्ट्रेस पारूल गुलाटी इन दिनों अपनी अगली फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' को लेकर काफी उत्साहित हैं। वहीं, इस फिल्म की रिलीज से पहले हाल ही में एक्ट्रेस अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर नतमस्तक हुईं, जहां उन्होंने फिल्म की सफलता के लिए आशीर्वाद लिया। इस मौके की तस्वीरें पारूल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं। पारूल गुलाटी ने अपने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि एक्ट्रेस दोनों हाथ जोड़ गुरुद्वारे के सामने पोज देती नजर आ रही हैं। इस दौरान वह गोल्डन और पिंक सूट पहने नजर आ रही हैं और सिर पर दुपट्टा ओढ़े दिख रही हैं। फैंस एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं। वहीं, अपनी इस यात्रा के बारे में बात करते हुए पारूल ने कहा, "स्वर्ण मंदिर हमेशा से मेरे दिल के बहुत करीब रहा है। यहां आते ही मुझे शांति और सादगी का एहसास होता है। मैं यहाँ वाहेगुरु का धन्यवाद करने आई थी। अपने काम, अपनी तरक्की और उन सभी खूबसूरत मौकों के लिए जो मेरे रास्ते में लगातार आते रहते हैं। इस यात्रा ने मुझे यह याद दिलाया कि जिंदगी आपको जहां भी ले जाए, जमीन से जुड़े रहना कितना जरूरी है। पारूल ने अपनी आने वाली फिल्म को लेकर कहा, "किस किसको प्यार करूं 2 मेरे लिए बहुत खास फिल्म है। कपिल शर्मा के साथ काम करना एक बेहद खुशी देने वाला और सीख से भरा अनुभव रहा। फिल्म में बहुत भावनाएँ हैं और मैं चाहती हूं कि दर्शक इसे जल्द से जल्द देखें। मैं इस नए सफर की शुरुआत वाहेगुरु के आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा के साथ करना चाहती थी।

धुरंधर का रोंगटे खड़े कर देने वाला ट्रेलर रिलीज, दमदार लुक में दिखे रणवीर सिंह

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह स्टारर बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धुरंधर' का ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है। जैसे ही ट्रेलर सामने आया, सोशल मीडिया पर इसका जलवा छा गया। फिल्म के पोस्टर्स ने पहले से ही उत्सुकता बढ़ा रखी थी और उम्मीद जताई जा रही थी कि ट्रेलर भी कुछ कमाल करेगा। लेकिन ट्रेलर ने उम्मीदों को पार करते हुए दर्शकों के उत्साह को कई गुना बढ़ा दिया। निर्देशक आदित्य धर ने ट्रेलर को इस अंदाज में पेश किया है कि हर सीन के साथ उत्सुकता और बढ़ती जाती है। इस हाई–स्केल एक्शन ड्रामा फिल्म में रणवीर सिंह, संजय दत्त, आर. माधवन, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल और सारा अर्जुन जैसे सितारों ने पहले ही चर्चा का माहौल बना दिया था। और अब ट्रेलर ने साफ कर दिया कि ये फिल्म वाकई साल की सबसे बड़ी पेशकशों में से एक होगी। ट्रेलर में रणवीर सिंह एक बेहद अलग, तीखे और दमदार लुक में दिखाई देते हैं। उनका एटीट्यूड, बॉडी लैंग्वेज और एक्शन सीक्वेंस साफ बताते हैं कि फिल्म में उनका किरदार बेहद पावरफुल और इंटेंस होगा। एक जगह रणवीर का डायलॉग–अगर तुम लोगों के पटाखे फूट गए हों,,, तो अब मैं धमाका करूं? काफी पसंद किया जा रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि ट्रेलर में रणवीर से ज्यादा जगह तीनों खलनायकों को दी गई है–अर्जुन रामपाल, अक्षय खन्ना और संजय दत्त। तीनों की एंट्री एक–एक करके इस तरह दिखाई गई है कि हर सीन तनाव और रोमांच को और अधिक बढ़ा देता है।

अर्जुन रामपाल शुरुआत में एक साइलेंट लेकिन खतरनाक प्रेजेंस बनाकर उभरते हैं। अक्षय खन्ना का इंटेंस और साइकोलॉजिकल विलेन वाला अंदाज रोंगटे खड़े कर देता है। वहीं, संजय दत्त की भारी आवाज और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस ट्रेलर को क्लाइमेक्स जैसा टच देती है। 'उरी द सर्जिकल स्ट्राइक' जैसी सुपरहिट फिल्म देने वाले आदित्य धर ने 'धुरंधर' में भी बारीकी से काम किया है। ये फिल्म अगले महीने 5 दिसंबर, 2025 को रिलीज होने जा रही है। बताया जा रहा है कि 5 दिसंबर को रिलीज हो रही ये फिल्म दो भागों में आ रही है। धुरंधर पार्ट 2 अगले साल रिलीज होगी।

खड़े रहकर करें आसान योगासन

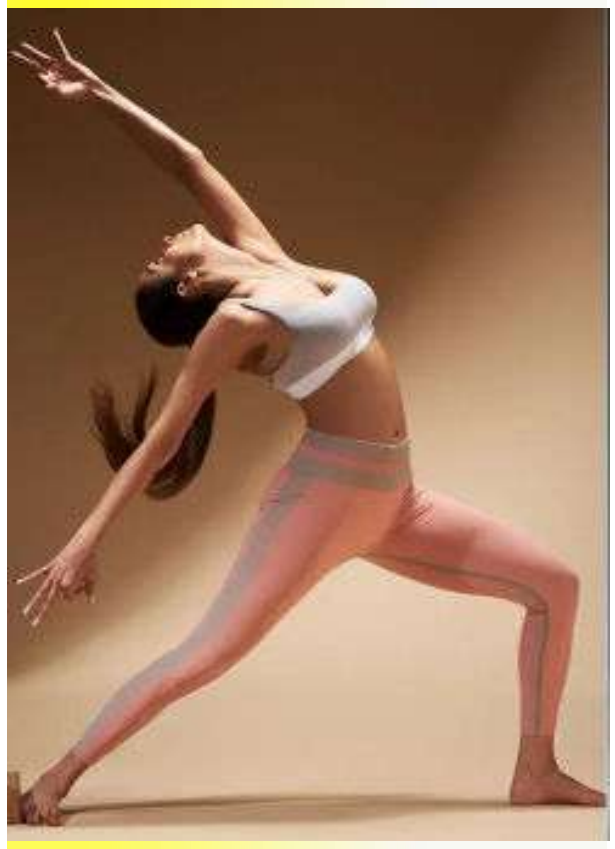

कहते हैं योग करने से शरीर और मस्तिष्क स्वस्थ होता है। योग मस्तिष्क को पूरे शरीर में ऑक्सीजन और रक्त प्रवाह को बढ़ाता है। जिससे हमारे मस्तिष्क कार्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अगर आप भी चाहते हैं आपके बच्चे का ब्रेन का विकास सही ढंग से हो। बच्चे की याददाश्त बेहतर करने के लिए इन 7 योगासन को जरुर करें।

योग एक जादुई अभ्यास है जो हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकता है और कल्याण को बढ़ावा देने में काफी मदद करता है। यह गहरी सांस लेने और शारीरिक संवेदनाओं पर ध्यान देने पर जोर देता है, जिससे हमारी एकाग्रता और याददाश्त में सुधार हो सकता है। योग मस्तिष्क सहित पूरे शरीर में ऑक्सीजन और रक्त प्रवाह को बढ़ाता है, जिससे हमारे संज्ञानात्मक कार्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बच्चो से लेकर छात्रों की शिक्षा के लिए योग करना काफी जरुरी होता है। इससे गहरी एकाग्रता हासिल कर सकते हैं और अपनी याददाश्त में सुधार लाया जा सकता है। आइए जानते हैं इन 7 योग आसन के बारें में आपको बताते हैं, जिनसे बच्चों की याददाश्त बढ़ा सकते हैं।

सूर्य नमस्कार

ज्यादातर स्कूलों में रोजाना सूर्य नमस्कार अभ्यास किया जाता है, यह योग आसन शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार से लेकर एकाग्रता में सुधार तक के लाभों के लिए जाना जाता है। यह प्रणामासन से शुरू होने वाले 12 योग आसनों का एक संयोजन है जिसमें गहरी सांस लेना और सीधे खड़े होना शामिल है।

बालासन

इस योग के करने से बच्चों की याददाश्त बेहतर रहती है। इसको करने के लिए आप चटाई पर घुटने टेकें जब तक कि आपकी पीठ आपकी एड़ी पर न टिक जाए। अपने हाथ फैलाएं और सांस लें। यह आसन विश्राम को बढ़ावा देता है और मानसिक स्पष्टता में सुधार करता है।

अनुलोम वोलोम प्राणायान

अनुलोम वोलोम प्राणायान योग करने से चिंता और तनाव कम हो जाता है। इसे करने के लिए प्रत्येक नासिका छिद्र से सांस लेना और छोड़ना शामिल है। इस अभ्यास से मस्तिष्क में रक्त का प्रवाह बढ़ता है जिससे मानसिक स्पष्टता बढ़ती है।

वृक्षासन

इस योग करने से तनाव दूर होता है। बच्चों का दिमाग भी तेज होता है। इसको करने के लिए एक पैर पर शरीर को संतुलित करना और दूसरे पैर को खड़े पैर की भीतरी जांघ पर रखना शामिल है। आपकी भुजाएं ऊपर की ओर फैली हुई, मुड़ी हुई होनी चाहिए। यह अभ्यास फोकस को बढ़ा सकता है जिससे याददाश्त बेहतर हो सकती है।

सर्वागासन

सर्वागासन एक पूर्ण शरीर का व्यायाम है जिसमें खुद को उल्टा करना और कंधों परप शरीर का बल छोड़ना होता है। यह योग पोज शक्ति, लचीलेपन और परिसंचरण को बढ़ा सकता है और मानसिक स्पष्टता को बढ़ावा देता है।

त्राटक ध्यान

त्राटक ध्यान में एक आरामदायक स्थिति में बैठना और एक बिंदु, आमतौर पर मोमबत्ती की लौ पर ध्यान केंद्रित करना शामिल है। यह व्यायाम मानसिक स्वस्थ में सुधार कर सकता है, याददाश्त बढ़ा सकता है और जागरूकता की भावना को बढ़ाता है। इसके अलावा इस एक्सरसाइज से आंखों की रोशनी भी बेहतर हो सकती है।

पश्चिमोत्तानासन

पश्चिमोत्तानासन करने के लिए रीढ़, कंधों और हैमस्ट्रिंग को फैलता है। इसके करने से प्रवाह में काफी सुधार करता है और फोकस को बढ़ाते हुए याददाश्त में सुधार कर सकता है। इस योगासन को करने के लिए अपने पैरों की उंगलियों को अपने सामने फैलाकर फर्श पर बैठें, इसके बाद अपनी हड्डी को फर्श को दिशा में दबाएं और अपनी रीढ़ को लंबा करें। कुछ समय के लिए सांसे छोड़ें और अंदर लें।

डिस्क्लेमर– इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

किस समय कॉफी पीना चाहिए

आजकल की अनियमित जीवनशैली और गलत खानपान के कारण कई बीमारियां हो रही हैं, जिनमें से एक है फैटी लिवर। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें लिवर में अतिरिक्त फैट जमा हो जाता है। अधिक शराब पीने, बाहर का खाना खाने और कम शारीरिक गतिविधि करने से यह समस्या बढ़ सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, फैटी लिवर के मरीजों के लिए कॉफी पीना फायदेमंद साबित हो सकता है।

फैटी लिवर क्या है?

फैटी लिवर एक ऐसी बीमारी है जिसमें लिवर के अंदर वसा (फैट) जमा हो जाता है। यह मोटापा, गलत खान–पान और शराब पीने की आदतों के कारण हो सकता है। हालांकि यह समस्या ज्यादातर लक्षणहीन होती है, पर कुछ मामलों में थकान, पेट दर्द और कमजोरी महसूस हो सकती है।

कॉफी कैसे फायदेमंद है?

एंटीऑक्सीडेंट्स

कॉफी में पॉलीफेनोल्स जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर में फ्री रेडिकल्स से लड़ने में मदद करते हैं। यह लिवर में जमा फैट को कम करने और सूजन को रोकने में सहायक हैं।

लिवर एंजाइम्स

कॉफी में कुछ ऐसे एंजाइम्स होते हैं जो लिवर को साफ करने और अतिरिक्त फैट को हटाने में मदद करते हैं। यह लिवर की कार्यक्षमता को बढ़ाने में भी सहायक हैं।

एंटी–इंफ्लामेटरी गुण

कॉफी में क्लोरोजेनिक एसिड और कैफीन जैसे तत्व होते हैं, जो लिवर में सूजन को कम करने का काम करते हैं। सूजन को नियंत्रित कर लिवर के कार्य में सुधार लाया जा सकता है।

कौन सी कॉफी बेहतर है?

फैटी लिवर में काली कॉफी (ब्लैक कॉफी) पीना सबसे फायदेमंद मानी जाती है। ब्लैक कॉफी में चीनी और दूध नहीं मिलाया जाता, जिससे इसमें ज्यादा एंटीऑक्सीडेंट्स और एंजाइम्स होते हैं। यह लिवर को साफ रखने और फैट कम करने में सहायक होती है। कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि काली कॉफी पीने से फैटी लिवर का खतरा 71: तक कम किया जा सकता है।

किन लोगों को कॉफी से परहेज करना चाहिए?

दिल के मरीजों को हार्ट की समस्याओं से जूझते समय सीमित मात्रा में ही कॉफी पीनी चाहिए। यह महत्वपूर्ण है कि वे अपनी सेहत का ध्यान रखें और कॉफी के सेवन को नियंत्रित करें, ताकि उनकी स्थिति और न बिगड़े। महिलाओं को भी काली कॉफी का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए। यह ध्यान रखना आवश्यक है कि अधिक मात्रा में कॉफी पीने से स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। पाचन और गैस की समस्याओं से जूझ रहे लोगों को भी कॉफी का सेवन कम करना चाहिए। गैस या पाचन संबंधी समस्याएं होने पर कॉफी पीने से स्थिति और बिगड़ सकती है, इसलिए सावधानी बरतना जरूरी है। पैनिक अटैक के मरीजों को कॉफी से दूर रहना चाहिए, क्योंकि कैफीन उनकी परेशानी को बढ़ा सकता है। ऐसे लोगों के लिए यह सलाह दी जाती है कि वे कैफीन युक्त पेय पदार्थों से बचें, ताकि उनकी स्थिति में सुधार हो सके।

फैटी लिवर के शुरुआती लक्षण

लगातार थकान और कमजोरी महसूस होना। अचानक वजन कम होना। पेट में दर्द रहना। जी मिचलाना, उल्टी की इच्छा होना। भूख कम लगना। फैटी लिवर के उपचार में कॉफी का नियमित सेवन लाभकारी हो सकता है, पर इसका सेवन सीमित मात्रा में और सही समय पर करना जरूरी है।

बढ़ा बीपी करें खुद से घर पर कंट्रोल

हाल में एक शोध से पता चला है कि 24 घंटों में 15,000 लोगों पर नजर रखा है। इन परिणामों से पता चला है कि जिन लोगों ने साइकिल चलाई या सीढ़ियां चढ़ने से शरीर स्वस्थ रहता है। रोजाना केवल 5 मिनट के लिए व्यायाम करने से ब्लड प्रेशर होता है कंट्रोल।

आजकल के ज्यादातर लोगों में अनियमित ब्लड प्रेशर देखने को मिल रहा है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक ब्लड प्रेशर को सही ढंग से प्रबंधित करने के लिए नियमित एक्सरसाइज करने की सलाह देते हैं। जो लोग रोजाना 30 से 60 मिनट तक व्यायाम करते हैं, हेल्थ बेहतर रहती है। लेकिन, ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन द्वारा एक अध्ययन से पता चला है कि रोजाना केवल 5 मिनट के लिए एक्सरसाइज करने से ब्लड प्रेशर को कम करने में बेहद फायदेमंद होता है। इतना ही नहीं, इस शोध से पता चला है कि ब्लड प्रेशर को कम करने के लिए तीव्र या कठिन व्यायाम की तुलना में नियमित, छोटे व्यायाम करना अधिक असरदार होता है।

क्या कहती है रिसर्च?

दरअसल, वेबएमडी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह शोध लंदन यूनिवर्सिटी और सिडनी यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने किया है। इस अध्ययन का उद्देश्य यह था कि क्या 5 मिनट का व्यायाम किसी व्यक्ति के ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है।

गौरतलब है कि, शोधकर्ताओं ने 24 घंटों में 15,000 लोगों पर नजर रखें। इन परिणामों से पता चला कि जिन लोगों ने साइकिल चलाई या सीढ़ियां चढ़ना जैसे व्यायाम के केवल 5 मिनट अतिरिक्त शामिल किए। जिससे रक्तचाप के स्तर में महत्वपूर्ण सुधार हुआ।

इतना ही नहीं, इस अध्ययन में यह भी पता चला कि एक्सरसाइज चाहे किसी भी प्रकार की हो, यह ब्लड प्रेशर सकारात्मक प्रभाव मिलता है। छोटे व्यायाम उन लोगों के लिए फायदेमंद होते हैं जिन्हें हर दिन शारीरिक गतिविधि में शामिल होने में कठिनाई होती है।

5 मिनट के व्यायाम करने से ब्लड प्रेशर होगा कंट्रोल

वैज्ञानिकों के अनुसार, रोजाना केवल 5 मिनट के व्यायम करने से ब्लड प्रेशर मैनेज होता है साथ ही अन्य संबंधी चिंताओं को भी दूर कर सकता है। शोध में आगे पता चला है कि उच्च रक्तचाप को कंट्रोल करने के लिए कठिन एक्सरसाइज करने की कोई आवश्यकता नहीं है। इसके बजाय, साइकिल चलाना या सीढ़ियां चढ़ना जैसी छोटी दैनिक गतिविधियों को शामिल करने से बहुत लाभ मिल सकता है। लेकिन, ये व्यायाम केवल तभी फायदा करेंगा जब आप इसे रोजाना करें। कई अध्ययनों से पता चला है कि ब्लड प्रेशर के स्तर को सामान्य रुप से बनाए रखने के लिए शरीर को निरंतर शारीरिक गतिविधि की आवश्यकता होती है।

डिस्क्लेमररू इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

ठंड में बीमारियों से बचने के लिए खाएं ड्राई फ्रूट्स

बादाम, अंजीर, किशमिश और अखरोट जैसे सूखे मेवों को भिगोने से पाचन में सुधार होता है, मांसपेशियों के स्वास्थ्य में मदद मिलती है और एनर्जी का स्तर बढ़ता है। इससे उन्हें पचाना भी आसान हो जाता है, जिससे आपका शरीर अधिक पोषक तत्वों को एब्जॉर्ब कर पाता है। आइए जानते हैं भीगे हुए ड्राई फ्रूट्स खाने से क्या होता है?

ड्राई फ्रूट्स स्वाद से भरपूर होते ही हैं। इसके साथ इनमें कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। सूखे मेवे न्यूट्रिशन का पावरहाउस होता है। इनमें प्रोटीन, फाइबर, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर हैं। क्या आप जानते हैं ड्राई फ्रूट्स भिगोकर खाने से कई फायदे होते हैं। बादाम, खजूर, अंजीर, किशमिश और अखरोट जैसे सूखे मेवों को भिगोकर खाने से पाचन में सुधार होता है, मांसपेशियों के स्वास्थ्य में मदद मिल सकती है, ऊर्जा बढ़ सकती है और आप हाइड्रेटेड महसूस कर सकते हैं। इससे उन्हें पचाना भी आसान हो जाता है, जिससे आपका शरीर अधिक पोषक तत्वों को एब्जॉर्ब कर पाता है। आइए जानते हैं भीगे हुए ड्राई फ्रूट्स खाने से क्या होता है?

बादाम

बादाम में उच्च प्रोटीन पाया जाता है और यह मस्तिष्क तेज करने लाभों के लिए जाना जाता है। बादाम खाने से पाचन स्वस्थ रहता है, मांसपेशियों के स्वास्थ्य का ठीक करता है। ब्लड शुगर के स्तर को विनियमित करता है। इसके सेवन से शरीर को एनर्जी मिलती है। बादाम को भिगोकर खाने से स्वाद के साथ स्किन के लिए भी हेल्दी होता होता है। प्रोटीन, आयरन, फॉस्फोरस और फाइबर से भरपूर बादाम रोज सुबह खाली पेट भीगे हुए बादाम का सेवन करने से मानसिक सतर्कता और याददाश्त भी बढ़ती है।

खजूर

खजूर में कई पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और प्रचुर मात्रा में फाइबर के साथ ही नेचुरल मिठास प्रदान करता है। रात भर खजूर को भिगोने से उनकी बनावट नरम हो जाती है। आयरन का स्तर बढ़ता है, पाचन स्वास्थ्य को बेहतर करता है और हड्डियों को स्वास्थ रखता है।

अखरोट

ओमेगा–3 फैटी एसिड, खनिज और विटामिन से भरपूर, अखरोट मस्तिष्क के कार्य में सहायता करते हैं, चयापचय को बढ़ाते हैं और भीगे हुए अखरोट खाने से रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करते हैं। भिगोने से उनकी कड़वाहट भी कम हो जाती है और उनके पोषक तत्वों की जैव उपलब्धता में सुधार होता है।

किशमिश

किशमिश पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, इसे आप अपनी दिनचर्या में जरुर शामिल करें। भीगी हुईं किशमिश खाने से त्वचा के लिए बेहतरीन होती है। किशमिश में कई पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखता है।

अंजीर

रोजाना सुबह भीगे हुए अंजीर खाने से शरीर स्वस्थ रहता है। अंजीर में फाइबर होता है जो पाचन संबंधित समस्याओं को ठीक करता है। अंजीर को रात भर भिगोकर खाने से पाचन में सहायता होती है और प्रतिरक्षा को मजबूत करता है और शरीर की कमजोरी को दूर करता है।

डिस्क्लेमर– इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

संक्षिप्त

भारतीय रिजर्व बैंक दिसंबर में कर सकता है ब्याज दरों में कटौती, रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक दिसंबर की नीति बैठक में ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती कर सकता है। मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार यह अनुमान महंगाई में लगातार गिरावट के देखते हुए लगाया जा रहा है। इसमें कहा गया है कि अगर आरबीआई 25 दिसंबर की नीतिगत बैठक में ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती करेगा, तो रेपो दर घटकर 5.25 प्रतिशत हो जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार नीतिगत प्रतिक्रिया विवेकपूर्ण रहने की संभावना है। इस कदम के बाद, केंद्रीय बैंक की ओर से आंकड़ों पर निर्भर रहने और प्रतीक्षा करो व देखो की नीति अपनाने की उम्मीद है। इसमें कहा गया है कि केंद्रीय बैंक दरों, तरलता और नियामकीय ढील इन तीनों मोर्चों पर किए गए उपायों के संयुक्त प्रभाव का आकलन करने के बाद ही आगे के फैसले लेगा। आरबीआई घरेलू वृद्धि और मुद्रास्फीति के रुझानों पर कड़ी नजर रखेगा। मॉर्गन स्टेनली ने मुद्रास्फीति परिदृश्य भी पेश किया है। अनुमान के अनुसार, 2025 में निचले स्तर पर रहने के बाद 2026–27 में मुख्य उपभोक्ता सूचकांक (सीपीआई) में हल्की बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन यह अंततः आरबीआई के 4: के मध्यम अवधि लक्ष्य के अनुरूप ही रहेगी। खाद्य और कोर सीपीआई दोनों के साल–दर–साल 4 से 4.2 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। इस अनुमान के साथ, मुद्रास्फीति की उम्मीदें स्थिर रहने की संभावना है। इससे उपभोक्ता धारणा को बल मिलेगा। बाहरी क्षेत्र के संबंध में, मॉर्गन स्टेनली का अनुमान है कि भारत का चालू खाता घाटा 1 प्रतिशत के स्तर पर या उससे नीचे ही रहेगा और इसमें कोई खास बढ़ोतरी नहीं होगी।

पीयूष गोयल 20–22 नवंबर को इस्राइल दौरे पर, व्यापार और रणनीतिक सहयोग को नई गति मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 20 से 22 नवंबर 2025 तक तीन दिवसीय आधिकारिक इस्राइल दौरे पर जाएंगे। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, यह यात्रा इस्राइल के अर्थव्यवस्था और उद्योग मंत्री निर बरकात के निमंत्रण पर हो रही है। दौरे का उद्देश्य दोनों देशों के बीच बढ़ती रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करना है। गोयल के साथ सीआईआई, फिक्की, एसोचौम और स्टार्ट–अप इंडिया से जुड़े 60 सदस्यीय व्यवसायिक प्रतिनिधिमंडल भी जाएगा, जो भारत–इस्राइल उद्योग सहयोग को नए स्तर पर ले जाने का संकेत है। गोयल बरकत और अन्य प्रमुख मंत्रियों सहित वरिष्ठ इस्राइली नेतृत्व के साथ उच्च–स्तरीय द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। चर्चाएं व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ावा देने और कृषि, जल, रक्षा, उभरती प्रौद्योगिकियों, जीवन विज्ञान, उन्नत विनिर्माण और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित होंगी। दोनों पक्षों द्वारा प्रस्तावित भारत–इस्राइल मुक्त व्यापार समझौते की प्रगति की समीक्षा करने की भी उम्मीद है। इस यात्रा के दौरान, गोयल भारत–इस्राइल व्यापार मंच को संबोधित करेंगे, जिसमें दोनों देशों के प्रमुख व्यापारिक संगठन और उद्योग प्रतिनिधि एक साथ आएंगे। इस कार्यक्रम में पूर्ण सत्र, तकनीकी चर्चाएं और बी2बी बैठकें शामिल होंगी। इनका उद्देश्य निवेश को बढ़ावा देना, वाणिज्यिक संबंधों का विस्तार करना और संयुक्त उद्यम के अवसरों की खोज करना है। सीईओ फोरम का चौथा संस्करण भी आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा, मंत्री प्रमुख इस्राइली निवेशकों से मिलने के अलावा कृषि, विलवणीकरण, अपशिष्ट जल उपचार, साइबर सुरक्षा, स्मार्ट मोबिलिटी और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में काम करने वाली प्रमुख इस्राइली कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे। गोयल के कार्यक्रम में तेल अवीव के प्रमुख नवाचार केंद्रों और संस्थानों का दौरा भी शामिल है, जहां वे इस्राइल के तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र की जानकारी प्राप्त करेंगे। भारतीय प्रवासियों और भारतीय मूल के व्यापारिक नेताओं के साथ बातचीत सहित सांस्कृतिक और सामुदायिक कार्यक्रमों की भी योजना है।

टीआईए पोर्टल से निर्यातकों–एमएसएमई को मिलेगा रियल टाइम डाटा सपोर्ट, बोले केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल

नई दिल्ली। व्यापार खुफिया व विश्लेषण (टीआईए) पोर्टल देश के आयतकों, निर्यातकों, स्टार्टअप्स और एमएसएमई के लिए नई जानकारियां उपलब्ध कराएगा। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पोर्टल के शुभारंभ के दौरान यह बात कही। वाणिज्य विभाग ने इस पोर्टल को विकसित किया है। टीआईए पोर्टल एक वन–स्टॉप व्यापार खुफिया और विश्लेषण मंच है। पोर्टल में मैक्रो–इकोनॉमिक संकेतकों को जोड़कर 270 से अधिक विश्लेषणात्मक टूल उपलब्ध कराए गए हैं। टीआईए पोर्टल भारत और वैश्विक व्यापार, कमोडिटी व सेक्टोरल रुझानों पर रीयल–टाइम और इंटरएक्टिव इनसाइट्स देता है। इसके जरिए बाजार की स्थिति, निर्यात के अवसर, प्रतिस्पर्धी देशों का विश्लेषण और अन्य व्यापारिक जानकारियां तुरंत देखी जा सकती हैं। इस प्लेटफॉर्म से नीति निर्माताओं, उद्योग और निर्यातकों को अधिक सटीक व त्वरित निर्णय लेने में मदद मिलने की उम्मीद है। इसमें पीएलआई (उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन) और महत्वपूर्ण खनिजों से संबंधित विनिर्माण क्षेत्रों के लिए स्वचालित व्यापार रिपोर्ट और व्यापार प्रवृत्तियों पर नजर रखना भी शामिल है। विभाग के आर्थिक सलाहकार वनलालराम सांगा ने कहा कि पोर्टल को हितधारकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। उनके इनपुट के आधार पर इसे आगे बढ़ाया जाएगा। इसके साथ ही यह पोर्टल भारत के द्विपक्षीय व्यापार गतिशीलता के साथ–साथ 220 से अधिक देशों के बीच वैश्विक व्यापार प्रवाह को समझने में गहराई और व्यापकता प्रदान करता है। पोर्टल का ट्रेड वॉच टावर फीचर देशों और कमोडिटी स्तर पर गहन व्यापार विश्लेषण उपलब्ध कराएगा। इसमें विशेष टूल और विजुअलाइजेशन शामिल हैं, जिनकी मदद से उपयोगकर्ता वैश्विक और द्विपक्षीय व्यापार रुझानों को आसानी से पहचान सकेंगे।

सचिन और कोहली भी ऐसे विकेट पर नहीं टिक पाते

हरभजन ने भारतीय पिचों पर साधा निशाना; जमकर की आलोचना

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने भारतीय पिचों पर निशाना साधा है। हरभजन का कहना है कि सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे भारत के स्टार बल्लेबाज भी ऐसी पिचों पर नहीं टिक सकेंगे। भारत को हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले गए टेस्ट मैच में हार मिली थी। ये मुकाबला तीन दिन के अंदर खत्म हो गया था जिसके बाद एक बार फिर भारत की पिचें सुर्खियों में आ गई हैं।

हरभजन ने टेस्ट क्रिकेट की दिशा पर चिंता जताई

भारत की हार के बाद हरभजन सिंह ने अपने यूट्यूब चौनल पर शो के दौरान नाराजगी जाहिर की और देश में टेस्ट क्रिकेट की दिशा पर चिंता जताई। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसी पिचें खेल के सबसे लंबे प्रारूप की अखंडता और भविष्य को कमजोर करती हैं। हरभजन ने भारतीय पिचों की तुलना इंग्लैंड में इस्तेमाल की जाने वाली पिचों से करते हुए कहा कि वे टेस्ट क्रिकेट का रोमांच प्रदान करती हैं।

हरभजन ने कहा, टेस्ट क्रिकेट पूरी तरह से बर्बाद हो गया है। मुझे नहीं लगता कि टेस्ट क्रिकेट में कुछ बचा है, कम से कम भारतीय टेस्ट क्रिकेट में तो बिलकुल नहीं। इंग्लैंड में मैच शानदार थे। हमने वहां की पिचों के व्यवहार और खिलाड़ियों के मैच जीतने की तारीफ की। वो असली टेस्ट क्रिकेट था रोमांच था, मेहनत का अहसास था। लेकिन ये? ऐसी पिचें तो खराब हैं।

हरभजन ने यह भी कहा कि विराट कोहली और सचिन तेंदुलकर जैसे दिग्गजों के लिए भी ऐसी पिचों पर टिके रहना मुश्किल होगा, क्योंकि गेंद अप्रत्याशित रूप से टर्न लेती है। उन्होंने कहा, आप जहां भी गेंदबाजी करें, गेंद अप्रत्याशित रूप से टर्न ले रही है। बल्लेबाज को समझ नहीं आ रहा कि क्या करना है। आपकी तकनीक कितनी भी अच्छी क्यों न हो, चाहे आप सचिन तेंदुलकर हों या विराट कोहली, ऐसी पिचों पर आप टिक नहीं पाएंगे। एक गेंद ऊपर जाएगी, एक नीचे रहेगी, एक बेतहाशा स्पिन करेगी और आप आउट हो जाएंगे। यहां कौशल मायने नहीं रखता सिर्फ पिच ही सब कुछ तय कर रही है। यह कोई नई बात नहीं है। ऐसा वर्षों से होता आ रहा है।

लगातार सवालों के घेरे में भारतीय पिचें

नवंबर 2024 से भारत की पिचें सवालों के घेरे में हैं क्योंकि मेजबान टीम बार–बार टर्न लेती पिचों पर लड़खड़ाती रही है। भारतीय टीम को पिछले साल न्यूजीलैंड के हाथों 0–3 से हार का सामना करना पड़ा था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में भारत 0–1 से पीछे है, ऐसे में यह देखना होगा कि गौतम गंभीर की अगुआई वाला टीम प्रबंधन गुवाहाटी में होने वाले दूसरे मैच के लिए किस तरह की पिच चुनता है।

वनडे रैंकिंग में बड़ा फेरबदल! रोहित शर्मा को पछाड़ डेरिल मिशेल बने दुनिया के नंबर 1 बल्लेबाज

रोहित शर्मा ने एक महीने के भीतर ही नवीनतम आईसीसी वनडे रैंकिंग में शीर्ष स्थान गंवा दिया है और उनकी जगह न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिशेल ने ले ली है, जिन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में शानदार शतक लगाया था। उन्होंने सिर्फ़ 118 गेंदों पर 119 रन बनाए और रैंकिंग में दो पायदान की छलांग लगाकर रोहित को सिर्फ़ एक रेटिंग अंक से पीछे छोड़ दिया। उन्होंने कैरेबियाई टीम के खिलाफ श्रृंखला के शुरुआती मैच में अपना सातवां एकदिवसीय शतक लगाया और यह फॉर्म में चल रहे इस दाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए रोहित को पछाड़कर अपने करियर में पहली बार शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए पर्याप्त साबित हुआ। मिचेल के वर्तमान में 782 रेटिंग अंक हैं जो रोहित से एक अंक अधिक है। रोहित लगभग तीन हफ्ते तक शीर्ष पर रहे। मिचेल एकदिवसीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले न्यूज़ीलैंड के सिर्फ दूसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड के दिग्गज ग्लेन टर्नर 1979 में शीर्ष पर थे। अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान भी एक स्थान गिरकर तीसरे स्थान पर आ गए। भारत के शुभमन गिल (चौथे), विराट कोहली (पांचवें) और श्रेयस अय्यर (आठवें) शीर्ष 10 बल्लेबाजों में शामिल हैं। श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के बाद कई पाकिस्तानी खिलाड़ियों को भी बड़ी सफलता मिली है। मोहम्मद रिजवान (पांच स्थान ऊपर 22वें स्थान पर) और फखर जमां (पांच स्थान ऊपर 26वें स्थान पर) की रैंकिंग में सुधार हुआ है। पाकिस्तान ने अपने एशियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला में 3–0 से शानदार जीत दर्ज की। टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले स्पिनर अबरार अहमद (11 स्थान के फायदे से नौवें स्थान पर) और तेज गेंदबाज हारिस राऊफ (पांच स्थान के फायदे से 23वें स्थान पर) को एकदिवसीय गेंदबाजों की रैंकिंग में फायदा हुआ है जिसमें अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान शीर्ष पर हैं। इस बीच कोलकाता में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहले टेस्ट के समापन के बाद दोनों टीम के कई खिलाड़ियों

की बल्लेबाजी रैंकिंग में सुधार हुआ है। मैच की दूसरी पारी में 55 रन बनाकर नाबाद रहे दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा अपने करियर में पहली बार शीर्ष पांच में पहुंच गए हैं। इसी मैच के दौरान चोटिल होने के बावजूद भारतीय कप्तान शुभमन गिल दो स्थान ऊपर चढ़कर 11वें स्थान पर हैं। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शंटो सिलहट में आयरलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक लगाने के बाद चार स्थान ऊपर चढ़कर 34वें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने ईडन गार्डन्स में पहले टेस्ट में छह विकेट लेकर नंबर एक टेस्ट गेंदबाज का स्थान बरकरार रखा है।

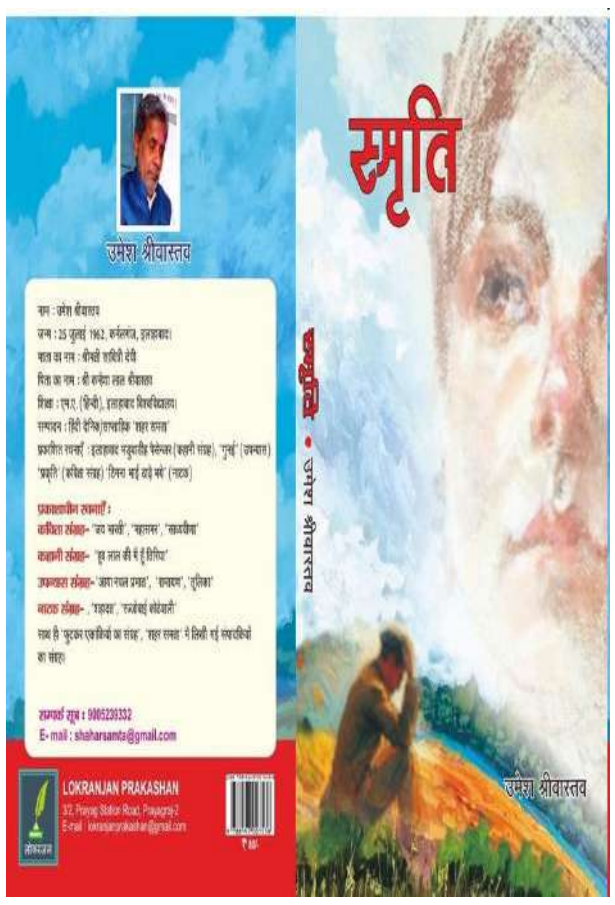

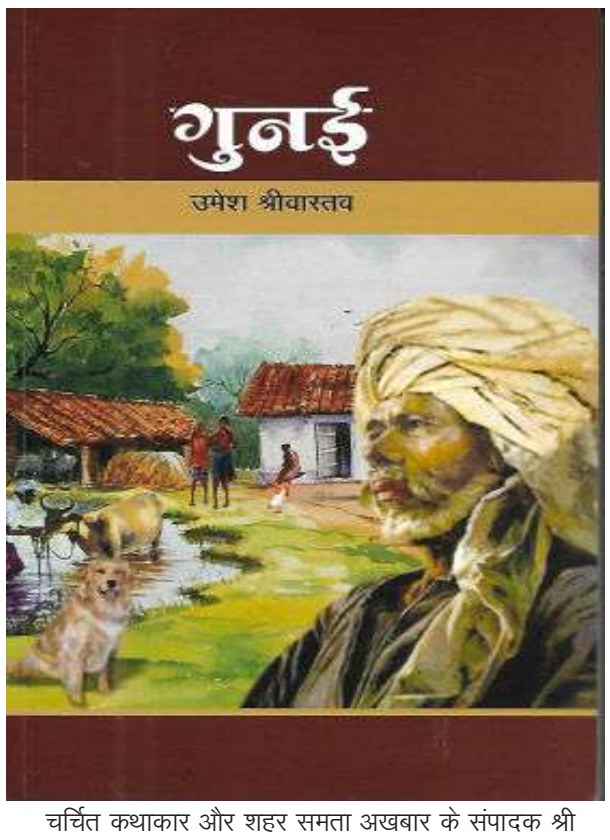

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

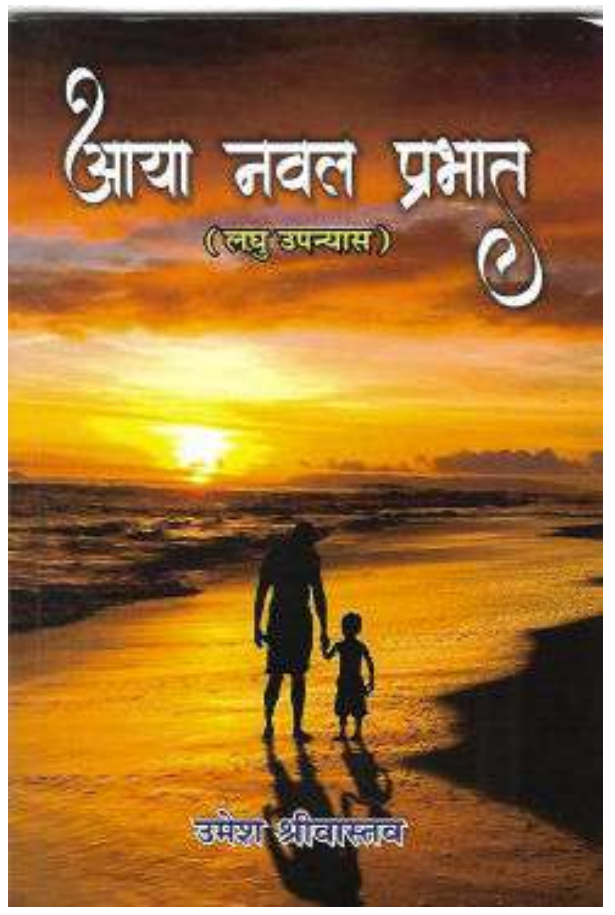

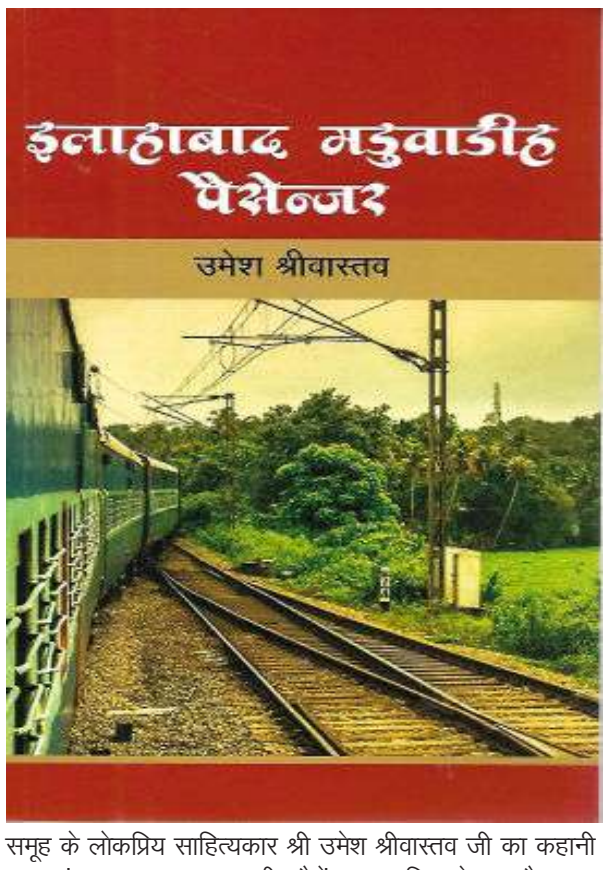

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

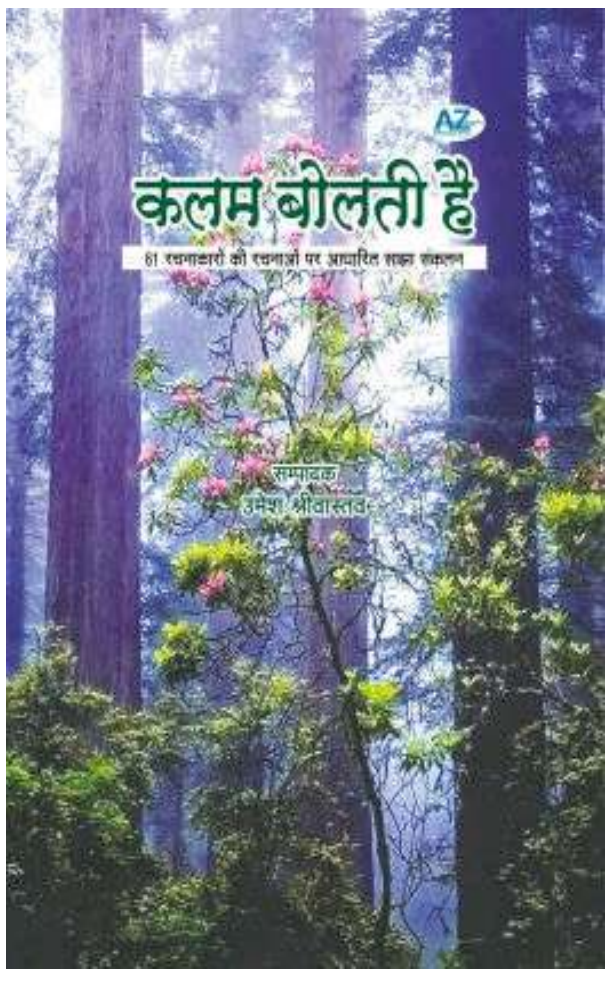

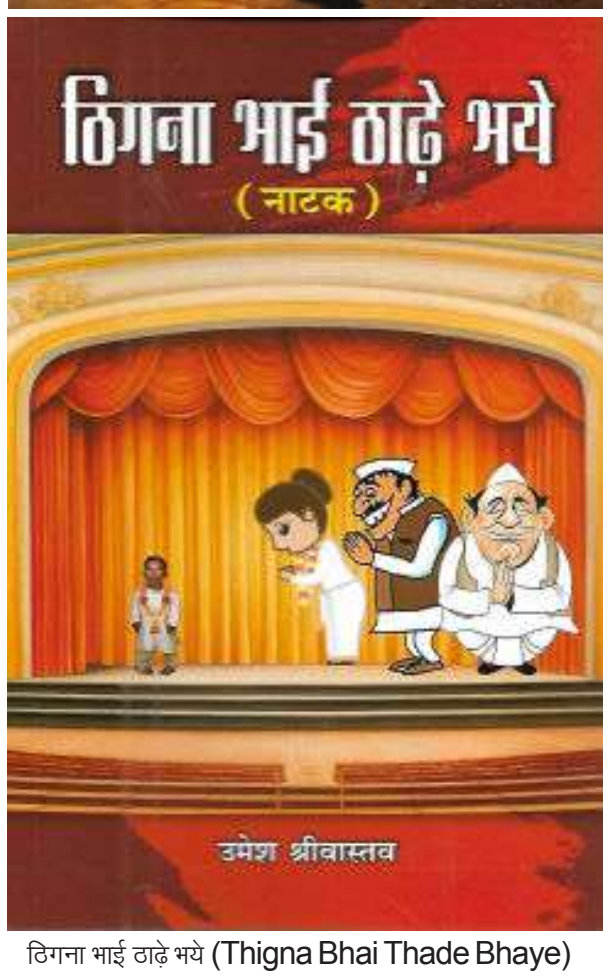

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

रूस ने दागे यूक्रेन पर 114 ड्रोन, 9 लोगों की मौत

यूक्रेन के खारकीव पर रूस का हमला एक और बड़ी खबर मिल रही है। आर्टिलरी से यूक्रेनी सैनिकों पर अटैक हुआ है। 30 किमी.दूर से यूक्रेनी सैनिकों पर अटैक किया गया है। और एक और बड़ी खबर मिल रही है। यूक्रेनी काफिले पर ड्रोन से अटैक हुआ है। यूक्रेन भी लगातार ताबड़तोड़ हमले कर रहा है। इस बीच यूक्रेनी सैन्य अड्डों पर भी अटैक हो रहे हैं। राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने बताया कि रूसी सेना ने 19 नवंबर को यूक्रेन के कई इलाकों में रातोंरात हमला किया, जिसमें कम से कम नौ लोग मारे गए और दर्जनों घायल हुए। ज़ेलेंस्की ने बताया कि रात भर में 470 ड्रोन और 48 मिसाइलें दागी गईं, जिसे उन्होंने एक और ष्बेशर्मष् हमला बताया। पश्चिमी यूक्रेन के टेरनोपिल में, एक नौ मंजिला आवासीय इमारत पर हमला किया गया, जिसमें कम से कम नौ लोग मारे गए। पिछले 48 घंटे में 50 से ज्यादा हमले हुए हैं। काला सागर को लेकर रूस और यूक्रेन ने इतने आक्रामक तेवर अपनाए हुए हैं कि युद्ध का पूरा फोकस ब्लैक सी में शिफ्ट हो गया है। इसकी सबसे बड़ी वजह है काला सागर का कारोबारी रूट जहां रूस का कब्जा। जबकि नाटो इसे रूस से मुक्त कराना चाहता है। इसके लिए दोनों तरफ के अहम ठिकानों को टारगेट किया जा रहा है। रूस के क्रीमिया पर हमले हो रहे हैं। जबकि ओडसा पर रूस हमले कर रहा है। जिससे वर्चस्व का दायरा बढ़ाया जा सके। आधी रात को सबसे ज्यादा हमले किए गए। सैन्य ठिकानों के अलावा एनर्जी सेक्टर पर भी हमले किए गए। युद्ध में पिछड़ रहे यूक्रेन ने इस बार हमले का पैटर्न बदला है। इस बीच उसे नाटो से भी विध्वंसकारी और हाईटेक हथियार मिले हैं। जिससे वो क्रीमिया में लगातार हमले कर पा रहा है। क्रीमिया पर हमले करने के लिए टॉर्पिडो ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। टॉर्पिडो ड्रोन यूक्रेन को यूरोपीय देशों से मिल रहे हैं। जिसकी वजह से यूक्रेन ने रूसी पेट्रोल बोर्ड को डुबो दिया। ओसा के पास निगरानी कर रही बोट पर यूक्रेन ने हमला किया। क्योंकि हमला नहीं करने की सूरत में यह 15 किमी के दायरे में स्टैंड बाय मोड में चले जाते हैं। 50 किमी दूर से इन्हें दागा गया था। लेकिन टारगेट के पास स्टैंड बाय मोड पर थे। लेकिन जैसे ही कमांड मिली तुरंत एक्टिव होकर हमला कर दिया। इस ड्रोन की मदद से यूक्रेन ने क्रीमिया की रिफाइनरी और एक रडार सेंटर को तबाह कर दिया।

ट्रंप ने तीखे सवाल पूछने पर एबीसी न्यूज की रिपोर्टर को 'बेहद खराब' बताया, धमकी दी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को 'एबीसी न्यूज' की पत्रकार मैरी ब्रूस पर निशाना साधते हुए उन्हें''बेहद खराब रिपोर्टर'' बताया और उनसे तीखे सवाल पूछे जाने के बाद समाचार संगठन के प्रसारण का लाइसेंस रद्द करने की धमकी दी। एबीसी न्यूज की व्हाइट हाउस के लिए मुख्य संवाददाता ओवल ऑफिस में उन पत्रकारों में शामिल थीं, जिन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से सवाल पूछने की अनुमति थी। ब्रूस ने ट्रंप से पूछा कि क्या राष्ट्रपति पद पर रहते हुए उनके परिवार का सऊदी अरब में व्यापार करना उचित है। इससे पहले कि ट्रंप जवाब दे पाते, ब्रूस ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस से पूछा, ''अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने निष्कर्ष निकाला कि आपने एक पत्रकार की हत्या की साजिश रची। 9/11 पीड़ितों के परिजन आपके यहां आने से नाराज हैं। अमेरिकी आप पर क्यों भरोसा करें? और यही सवाल आपसे भी, राष्ट्रपति ट्रंप।'' इन सवालों के बाद ट्रंप ने एबीसी को ''फेक न्यूज'' बताया और सऊदी अरब में अपने परिवार के व्यावसायिक हितों का बचाव किया। राष्ट्रपति ने अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट को भी खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि क्राउन प्रिंस का 2018 में पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या में कुछ न कुछ हाथ था। बाद में ट्रंप ने ब्रूस की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने प्रिंस से ''बेहद खराब प्रश्न'' पूछा। यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन पर एक सवाल पूछे जाने पर ट्रंप ने ब्रूस से कहा, ''आप एक खराब रिपोर्टर हैं। आपके सवाल पूछने का तरीका गलत है।'' ट्रंप ने कहा, ''मुझे लगता है कि एबीसी का लाइसेंस रद्द कर देना चाहिए क्योंकि आपकी खबरें बहुत फर्जी और गलत हैं।'' बहरहाल, एबीसी न्यूज ने ट्रंप की इन टिप्पणियों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

नेपाल में शांति भंग के आरोप, दुर्गा प्रसाई गिरफ्तार

नेपाल में पुलिस ने राष्ट्र, राष्ट्रीयता, धर्म, संस्कृति और नागरिक बचाओ अभियान के संयोजक व मेडिकल व्यवसायी दुर्गा प्रसाई को गिरफ्तार कर लिया। जिला प्रशासन कार्यालय के मुताबिक, प्रसाई ने हिंसा को भड़काने वाली बयानबाजी की थी। पुलिस प्रवक्ता पवन कुमार भट्टराई ने बताया कि अदालत ने मंगलवार को प्रसाई की हिरासत अवधि चार दिन के लिए बढ़ाने की अनुमति दी है। प्रसाई ने सार्वजनिक शांति और सुरक्षा के लिए खतरा उत्पन्न करने वाली अभिव्यक्ति दी थी। उन्होंने 23 नवंबर को देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की थी और इसके लिए तैयारी भी कर रहे थे। इससे पहले उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इससे पहले भी 28 मार्च, 2025 को हुए हिंसक आंदोलन के बाद प्रसाई को गिरफ्तार किया गया था, हालांकि अदालत के आदेश के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया था।

एपस्टीन ईमेल के बाद US के पूर्व ट्रेजरी सचिव का इस्तीफा

पूर्व अमेरिकी वित्त मंत्री (ट्रेजरी सचिव) लैरी समर्स ने पद छोड़ने का एलान किया है। समर्स हार्वर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्होंने ये फैसला जेफरी एपस्टीन से जुड़े मामले में नाम सामने आने के बाद लिया है। समर्स ने कहा, श्अपने सबसे करीबी लोगों के साथ विश्वास फिर से बहाल करने और रिश्ते सुधारनेश के लिए उन्होंने सार्वजनिक प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने का फैसला लिया है। दरअसल, एपस्टीन से जुड़ा ईमेल जारी होने के बाद पता चला है कि समर्स को साल 2008 में एक नाबालिग लड़की से वेश्यावृत्ति के लिए उकसाने का दोषी ठहराया गया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

तुर्किये-पाकिस्तान सैन्य गठजोड़ और गहराया, तुर्किये के लड़ाकू विमानों पर ट्रेनिंग ले रहे पाक पायलट

कश्मीर पर पाकिस्तान का समर्थन करना तुर्किये की पुरानी राजनीतिक आदत है। लेकिन भारत ने लंबे समय तक इसे क्षेत्रीय समीकरणों में गंभीर खतरे के रूप में नहीं देखा। तुर्किये को हम एक ऐसे दूरस्थ NATO देश के रूप में जानते रहे, जिसकी दिलचस्पी मुख्यतः पश्चिम एशिया और इस्लामी जगत में नेतृत्व दिखाने तक सीमित होती थी। किंतु राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोआन के नेतृत्व में तुर्किये का झुकाव अब सीधे दक्षिण एशिया की भू–राजनीति की ओर है तथा यह बदलाव भारत की सुरक्षा सोच के लिए नया सवाल खड़ा कर रहा है। हम आपको याद दिला दें कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने वह दिखा दिया था जिसे भारत शायद नजरअंदाज कर रहा था। भारत की पश्चिमी सीमा पर पाकिस्तान द्वारा किए गए ड्रोन हमले में 300 से अधिक ड्रोन मार गिराए गए थे इनमें कई तुर्किये निर्मित ॑वदहंत मॉडल थे, जिनकी क्षमता और घातकता किसी भी संघर्ष को असमान बनाने में सक्षम है। यह तथ्य कि तुर्किये की तकनीक और टार्गेटिंग सिस्टम अब पाकिस्तान के सैन्य ढांचे का हिस्सा बन चुके हैं, दोनों देशों की साझेदारी की गहराई का संकेत देता है। इतना ही नहीं, जब अमेरिका से भारत को भेजे जा रहे ।चंबीम हेलिकॉप्टरों का एक बैच तुर्किये ने अपने वायुक्षेत्र में रोक दिया, तब संदेश साफ था कि तुर्किये अब दक्षिण एशिया की शक्ति–संतुलन राजनीति में सक्रिय हस्तक्षेपकर्ता है। NATO सदस्य का यह कदम केवल भारत के प्रति एक प्रत्यक्ष भू–राजनीतिक संकेत था। देखा जाये तो तुर्किये और पाकिस्तान का गठजोड़ केवल सैन्य सहयोग पर आधारित नहीं है; यह एक वैचारिक मेल है। दोनों कट्टर सुन्नी पहचान और मुस्लिम विश्व में नेतृत्व की महत्वाकांक्षा साझा करते हैं। पाकिस्तान को तुर्किये से तकनीक और अंतरराष्ट्रीय वैधता मिलती है, तो तुर्किये को पाकिस्तानी सैन्य मानव–बल, बाजार और दक्षिण एशिया में प्रवेश का मंच। साल 2000 के बाद से 1,500 से अधिक पाकिस्तानी अधिकारी तुर्किये में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। नौसेना के स्तर पर MILGEM श्रेणी के युद्धपोतों और पनडुब्बियों के उन्नयन ने इस सामरिक जुड़ाव को और मजबूत किया है। पाकिस्तानी इंजीनियर तुर्किये के महत्वाकांक्षी पांचवीं पीढ़ी के फाइटर TAI KAAN पर काम कर रहे हैं जो तुर्किये को वैश्विक हथियार उद्योग में नया स्थान दिलाने की कोशिश है। हम आपको बता दें कि तुर्किये और पाकिस्तान का सहयोग अब लड़ाकू विमानों के इंजीनियरिंग, प्रशिक्षण और तकनीकी क्षेत्रों तक फैल चुका है। तुर्किये ने पाकिस्तान के थ–16 विमानों का उन्नयन किया, इंजन और स्पेयर पार्ट्स तैयार किए और पाकिस्तानी वायुसेना अधिकारियों को प्रशिक्षित किया। दोनों वायु सेनाओं ने 52 Super Mushshak ट्रेनर विमान का सौदा भी किया है। 2016 के तख्तापलट प्रयास के बाद जब तुर्किये पायलटों की कमी से जूझ रहा था, पाकिस्तान ने उसके पायलटों को प्रशिक्षित कर उसके वायुसेना ढांचे को सहारा दिया था। आज दोनों देश नए पीढ़ी के ज्थ–झ।।छ फाइटर जेट पर मिलकर काम कर रहे हैं। इसी के साथ ॅम्सै-।छ द्वारा श्रथ–17 लड़ाकू विमानों के लिए उन्नत टार्गेटिंग पॉड और भ।टम्सै-।छ द्वारा इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर ट्रेनिंग रेंज जैसे प्रावधान पाकिस्तान की क्षमताओं को प्रत्यक्ष रूप से बढ़ाते हैं और अप्रत्यक्ष रूप से भारत पर दबाव बनाते हैं। दूसरी ओर, यह सुखद संकेत है कि भारत ने तुर्किये की इस सक्रियता को अनुत्तरित नहीं छोड़ा है। भारतदृ ग्रीस, भारत–साइप्रस, भारतदृ आर्मीनिया समीकरण आज पहले से कहीं अधिक मजबूत हैं, ये सभी तुर्किये के रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी राष्ट्र हैं। साथ ही इज़रायल, यूएई, सऊदी अरब और मिस्र जैसे देशों के साथ भारत की बढ़ती निकटता तुर्किये के क्षेत्रीय प्रभाव को सीमित करती है। सैन्य दृष्टि से भी भारत तुर्किये और पाकिस्तान दोनों की संयुक्त क्षमता से कहीं आगे है। इसलिए खतरा अस्तित्वगत नहीं है; बल्कि यह एक रणनीतिक व्यवधान है जो ड्रोन युद्ध, तकनीकी हस्तांतरण और क्षेत्रीय दबाव जैसे क्षेत्रों में भारत के लिए नए समीकरण पैदा कर रहा है। सवाल उठता है कि भारत को करना क्या चाहिए? देखा जाये तो भारत को तकनीकी निर्यात नियंत्रण कड़े करने होंगे ताकि तुर्किये के रास्ते कोई भारतीय तकनीक पाकिस्तान तक न पहुँचे। साथ ही काउंटर–ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर क्षमताओं को तेज़ी से विकसित करना होगा। इसके अलावा, क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वियों के साथ सामरिक संवाद मजबूत करना होगा। बहरहाल, तुर्किये और पाकिस्तान की साझेदारी भारत के लिए वास्तविक चुनौती तो है लेकिन इसका दायरा सीमित ही है।

दम है तो हथियार डलवा कर देख लो... हमास ने इस अंदाज में ट्रंप को ललकारा

ट्रंप की अगुवाई में जब गाजा में युद्ध विराम का ऐलान हुआ तो उस वक्त इस बात पर सहमति बनी थी कि गाजा में हमास अपने हथियार डालेगा और एक इंटरनेशनल फोर्स का गठन होगा जो गाजा में फिर से सरकार की बहाली तक सुरक्षा व्यवस्था संभालेगी। हालांकि देखते ही देखते हमास ने अब साफ कह दिया कि वह अपने हथियार नहीं डालेगा। लेकिन हमास को गाजा की सत्ता से बेदखल करने के लिए ट्रंप और नेतन्या संयुक्त राष्ट्र में एक प्रस्ताव लेकर आए हैं। जिससे हमास को हमेशा हमेशा के लिए गाजा से बेदखल किया जा सके। लेकिन सुरक्षा परिषद ने इस प्रस्ताव पर वोटिंग से पहले ही हमास ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। हमास का कहना है कि यह प्रस्ताव बेहद ही खतरनाक है। हमास ने खुद और गाजा के दूसरे संगठनों के आधार पर इस प्रस्ताव को ठुकराया है।

हमास ने सुरक्षा परिषद के इस फैसले को खारिज कर दिया है। हमास ने कहा कि यह प्रस्ताव फिलिस्तीनियों के अधिकारों और मागो को पूरा करने में विफल और गाजा पर एक अतर्राष्ट्रीय न्यास थोपने का प्रयास करता है। हमास ने विशेष रूप से स्थिरीकरण बल को सशस्त्र समूहों को निष्क्रिय करने का निर्देश देने वाले प्रावधानो की तीखी आलोचना की। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, हमास ने कहा–अतर्राष्ट्रीय फोर्सेस को गाजा पट्टी के अदर कार्य और भूमिकाएं सौपना, इसकी तटस्थता को समाप्त करता है। वहीं नेतन्याहू के कार्यालय ने एक्स पर लिखा कि हमारा मानना है कि राष्ट्रपति ट्रंप की योजना शांति और समृद्धि की ओर ले जाएगी, क्योंकि यह (योजना) गाजा के पूर्ण विसैन्यीकरण, निरस्त्रीकरण और कट्टरपंथ के खात्मे पर जोर देती है। यह प्रस्ताव अंतरराष्ट्रीय बल को व्यापक अधिकार प्रदान करता है, जिसमें सीमाओं की निगरानी, सुरक्षा प्रदान करना और गाजा का विसैन्यीकरण शामिल है। हमास ने कहा कि निरस्त्रीकरण सहित बल का अधिदेश उसकी तटस्थता से वंचित कर देता है। इसने कहा, ''यह प्रस्ताव फलस्तीनी लोगों की राजनीतिक और मानवीय मांगों तथा अधिकारों के स्तर पर खरा नहीं उतरता है।' हमास ने मांग की कि कोई भी अंतरराष्ट्रीय बल संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में होना चाहिए, जो युद्धविराम की निगरानी के लिए केवल गाजा की सीमाओं पर तैनात हो और यह विशेष रूप से फिलिस्तीनी संस्थानों के साथ काम करे। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी मिशन ने कतर, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, जॉर्डन और तुर्की के साथ एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें अमेरिकी प्रस्ताव को 'शीघ्र अपनाने' का आह्वान किया गया। दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले मुस्लिम–बहुल देश इंडोनेशिया और तुर्किये दोनों ने कहा कि वे द्वि–राष्ट्र समाधान की दिशा में काम करेंगे, जिसका नेतन्याहू ने विरोध किया है। ब्रिटेन की विदेश मंत्री यवेट कूपर ने मंगलवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ''20–सूत्री योजना को आगे बढ़ाने और इसे न्यायपूर्ण एवं स्थायी शांति में बदलने के लिए मिलकर काम करने की ज़रूरत है।

अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को ट्रंप ने दिखाया ठेंगा, पत्रकार खशोगी की हत्या मामले में सऊदी के क्राउन प्रिंस को दी 'क्लीन चिट'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका की अपनी ही खुफिया जानकारी को दरकिनार करते हुए ओवल ऑफिस में एक बैठक के दौरान सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान का बचाव किया और ज़ोर देकर कहा कि शक्तिशाली राजकुमार को वाशिंगटन पोस्ट के पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या के बारे में कुछ भी नहीं पता था। उनकी यह टिप्पणी एबीसी न्यूज़ के एक रिपोर्टर द्वारा पूछे गए सवाल के बाद आई है कि अमेरिकियों को क्राउन प्रिंस पर भरोसा क्यों करना चाहिए, जबकि अमेरिकी एजेंसियों ने निष्कर्ष निकाला है कि उन्होंने 2018 की हत्या को मंजूरी दी थी।

अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के दावों को ट्रंप ने किया खारिज

अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने दावा किया था कि 2018 में 'वाशिंगटन पोस्ट' के पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की कुछ हद तक संलिप्तता हो सकती है। ट्रंप ने सात साल में पहली बार अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस आए सऊदी अरब के शासक का गर्मजोशी से स्वागत किया। सऊदी अरब की नीतियों के कटु आलोचक रहे खशोगी की हत्या से एक समय के लिए अमेरिका–सऊदी अरब के रिश्तों में भारी तनाव आ गया था, लेकिन सात साल बाद यह तनाव पूरी तरह दूर होता दिख रहा है और ट्रंप क्राउन प्रिंस को पश्चिम एशिया के भविष्य को आकार देने वाला अहम नेता बता रहे हैं। ट्रंप ने खशोगी को ''बेहद विवादित व्यक्ति'' बताया और दावा किया कि ''बहुत से लोग उन्हें पसंद नहीं करते थे।'' प्रिंस मोहम्मद ने खशोगी की हत्या में संलिप्तता से इनकार किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने प्रिंस मोहम्मद की उपस्थिति में ओवल ऑफिस में एक पत्रकार के सवाल पर कहा, "पसंद करें या न करें, ऐसी बातें हो जाती हैं३ लेकिन क्राउन प्रिंस को इसके बारे में कुछ पता नहीं था। आप इस तरह का सवाल पूछकर हमारे मेहमान को शर्मिंदा न करें।'' अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने यह निष्कर्ष निकाला था कि इस्तांबुल स्थित सऊदी वाणिज्य दूतावास में खशोगी की हत्या के लिए क्राउन प्रिंस ने ही स्वीकृति दी थी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने 2021 में यह रिपोर्ट सार्वजनिक की थी, जिसे ट्रंप अपने पहले कार्यकाल के दौरान जारी करने से बचते रहे थे। प्रिंस मोहम्मद ने कहा कि खशोगी की हत्या की जांच के लिए सऊदी अरब ने ''सभी सही कदम'' उठाए।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

जयशंकर ने रूस में दिल्ली ब्लास्ट पर पाकिस्तान को दिया खुला चौलेंज, ट्रंप को भी धो डाला

भारत के विदेश मंत्री ए जयशंकर रूस दौरे पर हैं। रूस पहुंचते ही जयशंकर ने ऐसा धमाका किया कि भारत के सारे दुश्मन तिलमिला गए। विदेश मंत्री जयशंकर ने रूस में अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की चेतावनी का मुंहतोड़ जवाब दिया है कि पूरी दुनिया चौंक गई। एस जयशंकर ने एससीओ की बैठक में दिल्ली ब्लास्ट को लेकर पाकिस्तानी विदेश मंत्रियों को खुला चौलेंज दे दिया कि हाफिज मसूद की आतंकी मंडियों में भगदड़ मच गई है। जिसे सुनकर पाकिस्तानी विदेश मंत्री बुरी तरह से घबरा गया। दरअसल रूस के राष्ट्रपति पुतिन जल्द ही भारत आने वाले हैं। इसे लेकर दुनिया भर में चर्चा हो ही रही थी और इस यात्रा को लेकर भारत के कई दुश्मन टेंशन में भी हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने रूस में पहुंचकर तहलका मचा दिया। मॉस्को पहुंचते ही एस जयशंकर ने रूस के विदेश मंत्री सरगेईल लावरो से धमाकेदार मुलाकात की और इसके बाद वह एससीओ की बैठक में शामिल हुए। बैठक में उन्होंने जिओपॉलिटिक्स में भारत की अहम भूमिकाएं गिनाते हुए पाकिस्तानी विदेश मंत्री के सामने कुछ ऐसा कह डाला जिसके बाद इशाक डार के पसीने छूट गए। एसइओ की बैठक में एस जयशंकर ने आतंकियों के मददगार और समर्थकों को खुला चौलेंज देते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत को जवाब देने का हक है। उन्होंने कहा कि एससीओ की स्थापना ही तीन बुराइयों, अलगाववाद, चरमपंथ और आतंकवाद से लड़ने के लिए हुई थी। आज यह खतरे पहले से भी ज्यादा गंभीर हो गए हैं। उन्होंने इस पर जोर दिया कि दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस दिखाना चाहिए और कहा कि भारत को अपने लोगों की सुरक्षा का पूरा हक है और जरूरत पड़ने पर हम यह अधिकार इस्तेमाल करेंगे।

जयशंकर ने यह भी कहा कि आतंकवाद के मामले में कोई बहाना किसी तरह का टालमटोल या उसे छुपाने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यानी कि जयशंकर ने साफ कर दिया कि जो भी आतंक को बढ़ावा देगा उन्हें मिट्टी में मिलाने के लिए भारत हर वक्त तैयार है और यह पाकिस्तान के लिए भी एक बड़ा संदेश है कि भारत कभी भी उस पर अटैक कर सकता है। खास बात यह भी है कि जब जयशंकर गुस्से में आतंक के खात्मे पर बोल रहे थे तो उस वक्त बैठक में पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार भी मौजूद थे और दुनिया यह जानती है कि पाकिस्तान आतंकवाद का अड्डा है और दिल्ली धमाके के तार भी पाकिस्तान से जुड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसीलिए इशाक डार अपना मुंह छुपाकर चुपचाप भीगी बिल्ली बनकर जयशंकर की बातें सुनता रहा।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप को भी जयशंकर ने तगड़ा धोने का काम किया है। दरअसल जयशंकर के रूस पहुंचने से कुछ घंटे पहले ही अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि रूस के साथ व्यापार करने वाले किसी भी देश पर बेहद कड़े प्रतिबंध लगाए जाए। लेकिन जयशंकर ने रूस पहुंचते ही ट्रंप की चेतावनी का तगड़ा जवाब दे दिया। जयशंकर ने कहा कि भारत और रूस का विकास ना सिर्फ दोनों देशों का आपसी हित है बल्कि दुनिया के हित में भी है। साथ ही उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच कई द्विपक्षीय समझौते परियोजनाएं और नई पहल शुरू होने वाली है। जिनसे स्पेशल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप और मजबूत होगी। जयशंकर का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को भारत के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है।